NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 15 अंकः 327 लखनऊ, रविवार 26 जुलाई 2026 मूल्यः 02 रुपये पृष्ठ- 08

12 साल में तीसरी बार झुकी मोदी सरकार, आंदोलनों को शुरुआती दौर में कमतर आंकने की बड़ी गलती कर जाती है बीजेपी

एजेंसी।

दिल्ली सभी घटनाओं में एक समान राजनीतिक प्रवृत्ति स्पष्ट दिखाई देती है। मोदी सरकार शुरुआती दौर में विरोध को कमतर आंकती है, आंदोलन की नैतिक शक्ति को स्वीकार करने से बचती है और तब तक अपने रुख पर कायम रहती है, जब तक विरोध की राजनीतिक कीमत पीछे हटने की कीमत से अधिक नहीं हो जाती। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा उस राजनीतिक दबाव का प्रतीक बन गया है जिसने केंद्र की मोदी सरकार को पिछले 12 वर्षों में तीसरी बार जनआंदोलन के सामने पीछे हटने पर मजबूर किया। इससे पहले नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिक पंजी यानि सीएए और एनआरसी के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन तथा तीन कृषि कानूनों के विरोध में चले किसान आंदोलन ने भी सरकार को अपने कदम वापस लेने के लिए विवश किया था। वहीं, यदि नीतिगत मामलों से अलग सामाजिक दबाव की बात करें तो यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद जनदबाव में विदेश राज्य मंत्री एमजे अकबर का इस्तीफा भी इसी क्रम की एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है।इन सभी घटनाओं में एक समान राजनीतिक प्रवृत्ति स्पष्ट दिखाई देती है। मोदी सरकार शुरुआती दौर में विरोध को कमतर आंकती है, आंदोलन की नैतिक शक्ति को स्वीकार करने से बचती है और तब तक अपने रुख पर कायम रहती है, जब तक विरोध की राजनीतिक कीमत पीछे हटने की कीमत से अधिक नहीं हो जाती। यही पैटर्न इस बार भी देखने को मिला, जब प्रश्नपत्र लीक के मामलों से नाराज छात्रों और युवाओं का आंदोलन लगातार फैलता गया और अंततः शिक्षा मंत्री को पद छोड़ना पड़ा।सबसे पहला बड़ा उदाहरण नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिक पंजी को लेकर सामने आया था। उस समय केंद्रीय गृह मंत्री लगातार देशव्यापी नागरिक पंजी लागू करने की बात कर रहे थे और इसकी पूरी प्रक्रिया का सार्वजनिक उल्लेख भी कर चुके थे। लेकिन व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री ने स्वयं यह कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय नागरिक पंजी लागू करने का कोई निर्णय नहीं लिया है। औपचारिक रूप से कोई अधिसूचना वापस नहीं ली गई, क्योंकि पूरे देश में इसे लागू करने की घोषणा ही नहीं हुई थी, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से यह स्पष्ट संकेत था कि सरकार ने अपने कदम पीछे खींच लिए हैं और यह योजना ठंडे बस्ते में चली गई।दूसरी बार सरकार को किसानों के ऐतिहासिक आंदोलन के सामने झुकना पड़ा था। लगभग एक वर्ष तक चले आंदोलन के दौरान सरकार ने शुरुआत में यह मानकर रणनीति बनाई कि आंदोलन सीमित क्षेत्र तक सिमट जाएगा और समय के साथ समाप्त हो जाएगा। आंदोलन को राजनीतिक रंग देने और उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की भी कोशिश हुई, लेकिन किसानों ने अपना संघर्ष जारी रखा। अंततः प्रधानमंत्री ने स्वयं तीनों कृषि कानून वापस लेने की घोषणा की और किसानों से क्षमा भी मांगी। यह मोदी सरकार की ऐसी दुर्लभ स्वीकारोक्ति थी जिसमें स्पष्ट दिखा कि लगातार बने जनदबाव के सामने उसे पीछे हटना पड़ा।अब शिक्षा मंत्रालय और प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर हुआ आंदोलन इस क्रम की तीसरी बड़ी घटना बनकर उभरा है। इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता इसका स्वरूप रहा। यह किसी एक संगठन, राजनीतिक दल या स्थापित नेतृत्व के नियंत्रण में नहीं था। यह स्वतःस्फूर्त, विकेंद्रित और युवाओं द्वारा संचालित आंदोलन था, जिसमें भीड़ ही नेतृत्व भी थी और आवाज भी। यही कारण रहा कि सरकार पारंपरिक राजनीतिक वार्ता की रणनीति नहीं अपना सकी, क्योंकि बातचीत के लिए कोई एक ऐसा चेहरा मौजूद नहीं था जिससे समझौता कर आंदोलन समाप्त कराया जा सके।युवाओं ने सोशल मीडिया के जरिए आंदोलन को नई ऊर्जा दी। व्यंग्य, हास्य और रचनात्मक संदेशों से भरे छोटे वीडियो और चित्रों ने आंदोलन को व्यापक सांस्कृतिक पहचान दी। यह प्रचार सरकारी संदेशों की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी साबित हुआ। आंदोलन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन उसका समन्वय मजबूत था और उसका विस्तार इतना तेज था कि सरकार की प्रतिक्रिया उसके मुकाबले धीमी पड़ गई। 20 जुलाई की पुलिस कार्रवाई भी आंदोलन को रोकने की बजाय उसे और मजबूत करने वाली साबित हुई। सामान्यतः सरकारें ऐसे आंदोलनों से निपटने के लिए नेतृत्व को निशाना बनाती हैं, विरोधी समूहों में विभाजन पैदा करती हैं या समय के साथ आंदोलन के कमजोर पड़ने का इंतजार करती हैं। लेकिन इस बार युवाओं का आंदोलन इन सभी पारंपरिक राजनीतिक उपायों से काफी हद तक अप्रभावित दिखाई दिया। यहां तक कि जब सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने अपना रुख नरम किया, तब भी छात्रों ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग जारी रखी। इससे यह स्पष्ट हुआ कि आंदोलन किसी एक व्यक्ति पर निर्भर नहीं था। भारतीय जनता पार्टी के भीतर भी इस आंदोलन को लेकर असहजता का माहौल बताया जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह मानी जा रही है कि आंदोलन में बड़ी संख्या उन छात्रों और युवाओं की रही जो मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग से आते हैं तथा जिन्हें पार्टी का पारंपरिक सामाजिक आधार माना जाता है। राजनीतिक विरोधियों के आंदोलनों को सरकार अक्सर वैचारिक या दलगत कहकर खारिज कर सकती है, लेकिन जब असंतोष अपने ही समर्थक वर्ग के बीच दिखाई देने लगे तो उसे नजरअंदाज करना कहीं अधिक कठिन हो जाता है। यही कारण है कि मोदी सरकार को पहली बार यह एहसास हुआ कि व्यवस्था के प्रति नाराजगी केवल विपक्षी क्षेत्रों तक सीमित नहीं रह गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन तीन बड़े आंदोलनों ने केंद्र सरकार की कार्यशैली का एक व्यापक स्वरूप भी सामने रखा है। सरकार एजेंडा तय करने, राजनीतिक पहल अपने हाथ में रखने और शक्ति प्रदर्शन की राजनीति करने में दक्ष दिखाई देती है, लेकिन लंबे समय तक चलने वाले लोकतांत्रिक असहमति के साथ लगातार संवाद बनाए रखने में अक्सर कठिनाई महसूस करती है। ऐसा प्रतीत होता है कि वह तर्क और संवाद की अपेक्षा राजनीतिक दबाव बढ़ने के बाद ही अपने रुख में बदलाव करती है। दूसरे शब्दों में कहें तो सरकार खतरे की तीव्रता पर अधिक प्रतिक्रिया देती है, जबकि शुरुआती असहमति को गंभीरता से लेने में संकोच करती है। हालांकि, सरकार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। उनका दावा है कि सरकार युवाओं में व्याप्त नाराजगी को कम करना चाहती है, जबकि केवल इस्तीफे को समस्या का स्थायी समाधान नहीं मानती। सरकार का कहना है कि छात्रों से जुड़े सभी मुद्दों के समाधान के लिए वह प्रतिबद्ध है और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। बहरहाल, फिलहाल इतना स्पष्ट है कि नागरिकता संशोधन कानून, कृषि कानून और प्रश्नपत्र लीक जैसे तीन बड़े आंदोलनों ने यह साबित किया है कि व्यापक, लगातार और संगठित जनदबाव आज भी लोकतांत्रिक राजनीति की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसी बदलते राजनीतिक समीकरण का ताजा और महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर सामने आया है।

आगरा में बोले सीएम योगी आदित्यनाथ उखड़ी सड़कें ठीक नहीं होने पर अधिकारियों पर दर्ज होगी प्राथमिकी

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा में विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पेयजल पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्य संतोषजनक न होने पर ठेकेदारों को काली सूची में डाला जाएगा और अधिकारियों पर मामला दर्ज होगा।आगरा (उप्र), 25 जुलाई उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को आगरा में अधिकारियों को चेताया कि उखड़ी सड़कें ठीक नहीं होने पर प्राथमिकी दर्ज होगी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार आदित्यनाथ ने आगरा के दो दिवसीय दौरे के पहले दिन कमिश्नरी सभागार में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में विकास परियोजनाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं और कानून–व्यवस्था की समीक्षा करते हुए योगी ने अधिकारियों को चेताया कि जनसुविधाओं और विकास

कार्यों में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन के तहत पेयजल पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत में लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने जल निगम के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि यदि सड़क तोड़ी गई है, तो ठेकेदार को सड़क का निर्माण करना होगा। उन्होंने कार्य संतोषजनक नहीं मिलने पर ठेकेदारों को काली सूची में डालने और संबंधित अधिकारियों पर प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संवेदनशील होने का निर्देश देते हुए कहा कि फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले रेहड़ी–पटरी दुकानदारों को उजाड़ा न जाए, बल्कि उन्हें उचित 'वेंडिंग जोन' में जगह दी जाए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने आयुष्मान कार्ड और सूचीबद्ध अस्पतालों के भुगतानों का सत्यापन कर जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। बेसिक शिक्षा विभाग को लेकर उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से भेजे गए धन का उपयोग सुनिश्चित कराने के लिए अभिभावकों के साथ बैठकें की जाएं।

छात्रों पर पैलेट गन के इस्तेमाल के लिए अमित शाह सीधे जिम्मेदार, राहुल गांधी बोले- संसद में उठाएंगे मुद्दा

एजेंसी।

दिल्ली। राहुल गांधी ने दिल्ली में छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस हिंसा और पैलेट गन के कथित इस्तेमाल के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि शाह ने जानलेवा हथियारों के इस्तेमाल को मंजूरी दी थी, जिसे संसद में एक अहम मुद्दा बनाया जाएगा और ऐसी कार्रवाई को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को नई दिल्ली में छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की हिंसा और कथित तौर पर पैलेट गन के इस्तेमाल के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गांधी ने कहा कि शाह ने प्रदर्शनों

के दौरान जानलेवा हथियारों के इस्तेमाल की मंजूरी दी थी। उन्होंने इसे एक अहम मुद्दा बताया जिसे संसद में उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे छात्रों के खिलाफ हुई हिंसा के लिए हम सीधे तौर पर अमित शाह को जिम्मेदार मानते हैं। उन्होंने ही हमारे छात्रों पर गोली चलाने की मंजूरी दी थी। उन्होंने ही हमारे छात्रों के खिलाफ पैलेट गन समेत जानलेवा हथियारों के इस्तेमाल की मंजूरी दी थी। हमारे लिए यह एक अहम मुद्दा है। हम यह बर्दाश्त नहीं करेंगे कि हमारी अपनी फोर्स भारत के भविष्य पर गोली चलाए। संसद में यह एक बड़ा मुद्दा होगा।

भारतीयवायु सेना भर्ती

गांधी ने इन विरोध प्रदर्शनों के लिए भारत की शिक्षा, मीडिया और नौकरी पैदा करने वाी व्यवस्थाओं की विफलता को जिम्मेदार ठहराया और चेतावनी दी कि आर्थिक संकट के समय इसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि छात्र प्रधानमंत्री से माफी की भी मांग कर रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन हुआ है और इसके पीछे की गहरी वजह यह है कि भारत की व्यवस्थाएं – नौकरी पैदा करने वाली व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था, संस्थागत व्यवस्था और मीडिया व्यवस्था – बर्बाद हो चुकी हैं। वे अब ठीक से काम नहीं कर रही हैं। इसके नतीजे भी सामने आ रहे हैं। हम अभी एक गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। गंभीर आर्थिक संकट के समय ये व्यवस्थाएं और भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं। सरकार को यह समझना चाहिए कि यहां जो हुआ है, वह एक बहुत बड़ी समस्या का सिर्फ एक हिस्सा है।कांग्रेस सांसद ने इन विरोध प्रदर्शनों को सरकार के लिए एक चेतावनी बताया और कहा कि वह देश को अपनी निजी जागीर समझना बंद करे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर युवाओं की चिंताओं को नजरअंदाज करना जारी रखा गया, तो इससे बड़े पैमाने पर अशांति फैल सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार को भारत के लोगों की बात सुननी शुरू करनी होगी। यह उनके लिए एक चेतावनी है। यह भारत के छात्रों और विपक्ष की ओर से एक चेतावनी है कि आप भारत को उस तरह नहीं चला सकते जैसे अब तक चलाते आए हैं। यह आपकी निजी जागीर नहीं है। यह आपकी अपनी चीज नहीं है। यह देश भारत के लोगों का है। यह भारत के संविधान का है। ये सभी संस्थाएं आपकी नहीं हैं। अगर आप इसी रास्ते पर चलते रहे, तो आप देखेंगे कि जो अभी हुआ है, वह दस गुना बड़े पैमाने पर होगा। यही मुख्य संदेश है।

पीएम मोदी का बड़ा फैसला धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मंजूर, प्रहलाद जोशी बने शिक्षा मंत्री

एजेंसी।

दिल्ली। नीट विवाद के बीच धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा केंद्र सरकार द्वारा जवाबदेही सुनिश्चित करने और नीतिगत दबाव को संतुलित करने का एक महत्वपूर्ण संकेत है। प्रह्लाद जोशी को अंतरिम प्रभार मिलना शिक्षा मंत्रालय में प्रशासनिक निरंतरता बनाए रखने की एक रणनीतिक कोशिश है। यह घटनाक्रम परीक्षा प्रणाली में प्रस्तावित व्यापक सुधारों और आंदोलनकारियों के साथ हुए समझौतों की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री की सलाह पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति ने निर्देश दिया है कि कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद जोशी को उनके मौजूदा विभागों के साथ–साथ शिक्षा मंत्रालय का प्रभार भी सौंपा जाए। आदेश में कहा गया है, ष्प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। साथ ही, प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति ने निर्देश दिया है कि कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद जोशी

को उनके मौजूदा विभागों के अलावा शिक्षा मंत्रालय का प्रभार भी सौंपा जाए।इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और सरकार द्वारा संगठन की सभी मांगें मान लिए जाने के बाद नीट विवाद को लेकर 36 दिन से जारी अपना आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की। कॉजपा ने कहा कि दोनों पक्ष परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधारों पर काम करने के लिए चार हफ्ते बाद फिर मिलेंगे। कॉजपा प्रवक्ता सौरव घोष ने देशभर में सभी जगहों पर अपना विरोध–प्रदर्शन तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की घोषणा करते हुए कहा कि प्रधान के इस्तीफे के अलावा सरकार नीट विवाद को लेकर कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिवारों को "सम्मानजनक" मुआवजा देने और दिल्ली सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित सभी राज्यों में दर्ज प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस लेने पर भी सहमत हो गई है।दास ने सरकार के वार्ताकारों केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, "कॉजपा इस आश्वासन और समझ के साथ आंदोलन वापस लेने की घोषणा करती है कि तय शर्तों को निर्धारित समयसीमा के भीतर लागू किया जाएगा।" कॉजपा ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, नीट विवाद के बाद कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिजन को एक–एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने और 20 मार्च को संगठन के 'संसद चलो' मार्च में शामिल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी प्राथमिकी को वापस लिए जाने की मांग की थी। कॉजपा ने शनिवार दोपहर शिक्षा मंत्री के पद से प्रधान के इस्तीफे की घोषणा के बाद यहां कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

ओवैसी ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को बताया न्याय की जीत, कहा- यह युवाओं के संघर्ष की बड़ी कामयाबी

एजेंसी।

दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को न्याय की जीत बताया है। मुरादाबाद में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने इसे युवाओं के संघर्ष और जद्दोजहद की बड़ी कामयाबी करार दिया। ओवैसी ने कहा कि इस आंदोलन ने साफ संदेश दिया है कि देश संविधान से चलेगा।मुरादाबाद (उप्र), 25 जुलाई केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने इसे न्याय की जीत बताया। उन्होंने कहा कि यह उन तमाम युवाओं की जीत है जो न्याय और संविधान के दायरे में भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। ओवैसी शनिवार को मुरादाबाद के जामा मस्जिद पार्क में आयोजित जनसभा को संबोधित करने से पहले पत्रकारों से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री का त्यागपत्र देश के युवाओं के संघर्ष और जद्दोजहद की बड़ी कामयाबी है। उन्होंने कहा, यह कामयाबी हक की झूठ पर विजय है। यह उन तमाम नौजवानों की कुर्बानी और मेहनत की जीत है। भारतीयवायु सेना भर्तीमैं उन्हें मुबारकबाद देता हूं। एक सवाल पर ओवैसी ने कहा, ''यदि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार समझती है कि वह कुछ भी कर सकती है, तो इस आंदोलन ने साफ संदेश दे दिया है कि अब तानाशाही नहीं चलेगी। लोकतंत्र चलाना है तो संविधान के दायरे में रहकर

चलना होगा।'' नियत समय शाम पांच बजे के बजाय ओवैसी ने लगभग पौने सात बजे जनसभा को संबोधित किया।बारिश के कारण इलाके की बिजली बंद थी और प्रशासन ने लाइट की अनुमति नहीं दी थी। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग डटे रहे। समर्थकों ने मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाकर पूरे पार्क को रोशन कर दिया।अंधेरे में मोबाइल की रोशनी के बीच ओवैसी ने कहा कि इस आंदोलन ने संदेश दिया है कि देश संविधान से चलेगा। उन्होंने कहा कि संविधान ने हर नागरिक को अधिकारों के लिए लड़ने का हक दिया है। अब सभी विपक्षी दलों और लोगों को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे में हुई देरी पर सवाल उठाते हुए ओवैसी ने कहा कि सरकार झुकने से बचती रही, लेकिन आखिरकार उसे फैसला लेना पड़ा।

नकल माफियाओं को मिट्टी में मिला देंगे, उनके लिए दो ही जगह जेल या जहन्नुम - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

जिला ब्यूरो

फतेहपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को फतेहपुर के मदारीकला में आयोजित जनसभा में कानून–व्यवस्था, शिक्षा, विकास और रोजगार समेत विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में नकल माफियाओं और अपराधियों के लिए अब कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि ष्नकल माफियाओं को मिट्टी में मिला देंगे। उनके लिए अब दो ही जगह हैंकृजेल या जहन्नुम। उन्हें कोई नहीं बचा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार नकल माफियाओं के खिलाफ कठोर कानून लागू कर रही है। इसके तहत दोषियों को 10 वर्ष तक की सजा और ध्10 करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। कानून से खिलवाड़ करने वालों पर बुलडोजर चलता रहेगायोगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार ने शुरू से ही स्पष्ट कर दिया है कि कानून–व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के लिए केवल दो ही स्थान हैंकृजेल या जहन्नुम। उन्होंने कहा कि अपराधियों और माफियाओं की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर कार्रवाई जारी है और आगे भी जारी रहेगी। किसी भी माफिया को युवाओं, व्यापारियों और बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा।उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सरकारों में नकल माफियाओं को संरक्षण मिलता था, जबकि वर्तमान सरकार उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई कर रही है। 487 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास मुख्यमंत्री ने फतेहपुर में ध487 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित किया। इसके बाद उन्होंने जालौन में ध1,273.96 करोड़ लागत की 324 विकास परियोजनाओं का भी लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। नीट पेपर लीक पर भी बोले मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में नीट परीक्षा के पेपर लीक प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि मामला सामने आते ही केंद्र सरकार ने तत्काल कार्रवाई की। आरोपियों की गिरफ्तारी की गई और परीक्षा व्यवस्था

से जुड़े अधिकारियों पर भी कार्रवाई हुई। उन्होंने कहा कि छात्रों का भविष्य सुरक्षित रहे, इसके लिए समयबद्ध ढंग से परीक्षा और परिणाम सुनिश्चित किए जा रहे हैं।श फतेहपुर अब पिछड़ा जिला नहीं रहा योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले फतेहपुर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं के मामले में पिछड़े जिलों में गिना जाता था। विकास के लिए आने वाला धन भ्रष्टाचार और सिंडिकेट की भेंट चढ़ जाता था। उस समय जिले में न पर्याप्त सड़कें थीं, न मेडिकल कॉलेज, न उद्योग और न ही युवाओं के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर।

उन्होंने कहा कि आज फतेहपुर तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। जिले में बेहतर सड़क संपर्क, औद्योगिक विकास, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती के माध्यम से नए रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं।श्नौ वर्षों में नौ लाख से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरीमुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2012 से 2017 के बीच अधिकांश सरकारी भर्तियां विवादों में रहीं और भर्ती प्रक्रिया भ्रष्टाचार से प्रभावित थी। वर्तमान सरकार ने पिछले नौ वर्षों में 9 लाख से अधिक युवाओं को पारदर्शी प्रक्रिया के तहत सरकारी नौकरी उपलब्ध कराई है। अब नियुक्तियां पूरी तरह मेरिट के आधार पर हो रही हैं और फतेहपुर के युवा भी अपनी योग्यता के बल पर चयनित हो रहे हैं। अवैध कब्जों पर भी साधा निशाना मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ स्थित भाजपा कार्यालय की भूमि पर भी पूर्व सपा विधायक ने कब्जा कर रखा था, जिसे हाल ही में बुलडोजर कार्रवाई के माध्यम से मुक्त कराया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों में सरकारी और खाली जमीनों पर कब्जा करना एक धंधा बन गया था, लेकिन अब ऐसे लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। सरकारी योजनाओं का किया उल्लेख मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने फतेहपुर को अमर शहीद जोधा सिंह अटैया एवं ठाकुर दरियाव सिंह राजकीय मेडिकल कॉलेज की सौगात दी है, जो जिले की स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बिना किसी भेदभाव के गरीबों और किसानों के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, मुफ्त राशन योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, किसान दुर्घटना बीमा तथा किसानों के बिजली बिल का भार सरकार द्वारा वहन किए जाने जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाना है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सड़क निर्माण, पुलिस लाइन, पीएसी बैरक, राजकीय आईटीआई, आयुष अस्पताल तथा पेयजल योजनाओं सहित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया।

नारा गांव में जलमग्न भूमि पर दबंगों का अवैध कब्जा, प्रशासन बना मूकदर्शक

नारा ग्राम सभा में 132 तालाब है जिसमें भू माफिया व दबंग का कब्जा
मुख मुंचौरा तालाब के अन्दर तक पक्का बना लिया गया
राजस्व विभाग के अधिकारी मौन नहीं हो रही है कोई कारवाई

नारा, कौशाम्बी। सिराथू तहसील सिराथू क्षेत्र के नारा ग्राम सभा में गांव में जलमग्न भूमि पर दबंगों द्वारा अवैध कब्जे की कोशिशें लगातार तेज होती जा रही हैं। सरकार द्वारा नारा गांव में काफी तालाब कोो जलमग्न भूमि घोषित कर ग्रामीणों के हित में छोड़ा गया था, लेकिन अबा इस जमीन पर कुछ प्रभावशाली लोगों की बुरी नजर पड़ गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि राजस्व विभाग और प्रशासन की मिलीभगत से इस भूमि पर अवैध कब्जा किया जा रहा है, जबकि सरकार स्पष्ट रूप से कह चुकी है कि किसी भी ग्राम पंचायत में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा नहीं होने दिया जाएगा। कैसे हो रहा है कब्जा? ग्रामीणों के द्वारा वह हल्का लेखपाल के द्वारा पूछा गया की ग्रामसभा नारा में कितने तालाब हैं तो हल्का लेखपाल ने बताया ग्राम सभा नारा में 132 तालाब हैं। ग्रामीणों के अनुसार, यह भूमि वर्षों से स्वतंत्र रूप से गांव के हित में थी, लेकिन अब कुछ दबंगों ने इसे हड़पने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। यह अवैध कब्जा इतनी सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है कि स्थानीय प्रशासन भी चुप्पी साधे बैठा है। लोगों का कहना है कि राजस्व विभाग के कुछ अधिकारी भी इसमें संलिप्त हैं, जो रिश्वत लेकर इस अवैध कार्य को बढ़ावा दे रहे हैं।सरकार के आदेशों की खुली अवहेलनाकौशाम्बी। प्रदेश सरकार लगातार यह आदेश देती आ रही है कि सरकारीभूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर कहीं अतिक्रमण हुआ है, तो उसे तुरंत खाली कराया जाए। इसके बावजूद सिराथू तहसील क्षेत्र में प्रशासन की लापरवाही साफनजर आ रही है। ग्रामीणों ने कई बार शिकायतें दर्ज कराई हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।ग्रामीणों में आक्रोश, आंदोलन की चेतावनीरिपोर्ट– ब्यूरो रिपोर्ट रामकृष्ण पाण्डेय कौशाम्बी। गांव के लोगों में इस मामले को लेकर भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही इस अवैध कब्जे को रोका नहीं गया तो वे सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि इस मामलेकी उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।प्रशासन की चुप्पी, आखिर ?कौशाम्बी। यह देखना दिलचस्प होगा कि प्रदेश सरकार इस मामले को कितनी गंभीरता से लेती है। क्या प्रशासन की ढिलाई

क्यों ?कौशाम्बी। जब इस मामले पर प्रशासन से बात की गई, तो कोई भी अधिकारी स्पष्ट जवाब देने से बचता नजर आया। यह सवाल उठता है कि क्या प्रशासन की चुप्पी किसी बड़े खेल का संकेत है? क्या वास्तव में सरकारी अधिकारी इस अवैध कब्जे में शामिल हैं? अगर नहीं, तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?क्या होगी सरकार की अगली कार्रवाई जारी रहेगी या फिर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी?अनसुनी की जाएगी?। गांव के लोगों ने मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी से जल्द से जल्द इस अवैध कब्जे को हटाने की मांग की है। यदि सरकार इस मामले पर ध्यान नहीं देती, तो यह सवाल उठता है कि आखिर जनता की आवाज कब तक अनसुनी जाएगी

दिल्ली जंतर-मंतर पहुंचे काशी से सपा नेता, छात्र आंदोलन को दिया समर्थन

वाराणसी, 25 जुलाई। दिल्ली के जंतर–मंतर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता तथा छात्रों की विभिन्न मांगों को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन में शनिवार को वाराणसी के वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं विश्वकर्मा समाज के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ष्विश्वकर्माष अपने समर्थकों के साथ शामिल हुए। उनके साथ वाराणसी कैंट विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी पूजा यादव भी मौजूद रहीं।प्रतिनिधिमंडल ने आंदोलनरत छात्रों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और मांगों की जानकारी ली तथा उनके प्रति एकजुटता व्यक्त की। नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में छात्रों को अपनी बात शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीके से रखने का पूरा अधिकार है और उनकी आवाज को गंभीरता से सुना जाना चाहिए।इस अवसर पर विष्णु शर्मा ष्विश्वकर्माष ने कहा कि देश का युवा राष्ट्र की सबसे

बड़ी शक्ति है। प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता, निष्पक्षता और छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सभी संबंधित पक्षों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए।उन्होंने कहा, ष्आज केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का घटनाक्रम यह दर्शाता है कि युवाओं की आवाज को गंभीरता से लेना पड़ा है। लेकिन केवल इस्तीफा ही पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसी पारदर्शी, निष्पक्ष और जवाबदेह परीक्षा प्रणाली बनाई जाए, जिससे किसी भी छात्र का भविष्य अनिश्चितता और अव्यवस्था का शिकार न हो।विष्णु शर्मा ने कहा कि ष्यदि लाखों छात्र अपने भविष्य की चिंता को लेकर सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं, तो यह केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि व्यवस्था के सामने खड़े गंभीर प्रश्न हैं। लोकतंत्र में सरकारों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी युवाओं के विश्वास की रक्षा करना है। समाजवादी पार्टी छात्रों के शिक्षा, रोजगार और निष्पक्ष प्रतियोगी परीक्षाओं के अधिकार की लड़ाई में उनके साथ खड़ी है और सरकार से मांग करती है कि युवाओं का विश्वास बहाल करने के लिए प्रभावी एवं समयबद्ध सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। इस दौरान पूजा यादव ने कहा कि देश के युवाओं का भविष्य सुरक्षित करना प्रत्येक लोकतांत्रिक सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि छात्रों की मांगों पर सकारात्मक, पारदर्शी और समयबद्ध निर्णय लिए जाएंगे।हाल के दिनों में जंतर–मंतर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं एवं परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर चल रहा छात्र आंदोलन राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।

खेत में लगाए गए करंटयुक्ततार की चपेट में आने से वृद्ध व बकरी की मौत, किसान पर लापरवाही का आरोप

खखरेरू, फतेहपुर थाना क्षेत्र के सुदेशरा गांव में खेत की सुरक्षा के लिए लगाए गए करंटयुक्त तार की चपेट में आने से एक वृद्ध और उसकी बकरी की मौत हो गई। घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार सुदेशरा गांव निवासी इद्दू पुत्र दरगाही (70) शुक्रवार शाम करीब छह बजे बकरी चराकर घर लौट रहे थे। रास्ते में सड़क किनारे स्थित एक खेत के चारों ओर किसान धर्म सिंह पुत्र राधे द्वारा झटका तार बांधा गया था, जिसमें परिजनों के अनुसार कथित रूप से 440 वोल्ट विद्युत करंट प्रवाहित किया जा रहा था। इसी दौरान घास चरते समय बकरी तार की चपेट में आकर फंस गई।बताया जाता है कि बकरी को बचाने के प्रयास में इद्दू ने जैसे ही तार को छुआ, वह भी करंट की चपेट में आ गए। तेज करंट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बकरी ने भी दम तोड़ दिया।घटना की

सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। वृद्ध की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी समेत पुत्रियां रिहाना बानो, बेबी, कमरजहां, फूलजहां और रुखसाना बानो का रो–रोकर बुरा हाल है। वहीं, मृतक का पुत्र इम्तियाज अहमद रोजी–रोटी के सिलसिले में मुंबई में रहता है। ग्रामीणों के अनुसार इद्दू बकरियां चराकर अपने परिवार का भरण–पोषण करते थे।सूचना मिलने पर खखरेरू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य भी जुटाए।मृतक के परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि खेत की सुरक्षा के नाम पर खुलेआम करंट प्रवाहित करना घोर लापरवाही है। उन्होंने संबंधित किसान के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। थाना प्रभारी सत्यपाल सिंह ने बताया कि मामले से संबंधित तहरीर प्राप्त हुई है तहरीर के आधार पर जांच कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

उपजिलाधिकारी ने समाधान दिवस में सुनी फरियादियों की समस्या

सिराथू उपजिलाधिकारी प्रमेश श्रीवास्तव ने समाधान दिवस में राजस्व के मामलों में सख्त निर्देश दिया

नारा कौशाम्बी

कोखराज थाना में आयोजित थाना समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी सिराथू प्रमेश श्रीवास्तव व नायब तहसीलदार विनय कुमार ने आये हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना और जमीनी विवाद के मामलों का निस्तारण के लिए सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि राजस्व से सम्बंधित सभी मामलों को निपटारा कराने के लिए संयुक्त टीम के साथ निस्तारण करने को कहा आये हुए फरियादियों की समस्या के निस्तारण को टाल मटोल न करने को कहा बढ़ते मामलों को देखते हुए सभी राजस्व विभाग के कर्मचारियों को अपने कार्य क्षेत्र में जा कर मामले को गम्भीरता से लेकर न्याय पूर्ण निस्तारण कराने को कहा इलाके में राजस्व विवाद के मामलों में बढ़ोतरी होने से यह आंकड़ा लगाया जा सकता है कि कही न कही विवाद का बिना निस्तारण किए ही फरियादी को गुमराह कर दिया जाता हैं जिससे कानून व्यवस्था व राजस्व ब्यवस्था चौपट हो रही है लेकिन उसके बाद थाना समाधान दिवस में जमीनी विवाद का निस्तारण करने के लिए उप जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिया और अधिकारी के आदेश से फरियादियों को अब कितना न्याय मिलता हैं यह तो कार्यवाही होने के बाद ही जानकारी होगी लगातार जिले से लेकर तहसील थाना का चक्कर एक पीड़ित महिला सावित्री देवी पत्नी स्वा तारा चन्द्र लगा रही हैं लेकिन कोई भी उसकी सुनने वाला कोई नहीं है आज फिर महिला ने नवनियुक्त उपजिलाधिकारी सिराथू से समाधान दिवस में अपनी बैनामा की जमीन में दबंगो के द्वारा कब्जा किये जाने की लिखित शिकायत दिया है जिसके निस्तारण के लिए उपजिलाधिकारी ने हल्का लेखपाल व पुलिस को मौके पर जा कर जांच कर कार्यवाही करने का अस्वासन दिया है अब देखना है कि विधवा महिला को न्याय मिलता हैं या पहले की भांति इस बार भी केवल जांच तक सीमित रह जायेगी ।एक ही मामले में लगातार किसी भी फरियादी को न्याय न मिलने से वह परेशान हो कर जाता है लेकिन अधिकारी के आदेश करने के बाद भी न्याय नही मिल पाता है क्या दबंगो के आगे सभी आदेश निरर्थक हो जाते है आखिर क्या योगी सरकार में अभी भी गुंडों के आगे अधिकारी के आदेश नतमस्तक हो जाते हैं मौके पर एसओ कोखराज संतोष कुमार शर्मा, भरवारी चौकी प्रभारी,नितेश त्रिपाठी, शहजाद पुर चौकी प्रभारी धीरेंद्र सिंह,राजस्व , कानून गो लव प्रसाद द्विवेदी, कानून गो भान सिंह ,लेखपाल पूनम यादव,दिलीप कुमार, देवेंद्र सिंह,जगदीश सिंह,नेहा जैन,सूरज मिश्रा,अनुराधा वर्मा,आदि गणमान्य लोगों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

जौनपुर प्रवास के दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक वी. पाडेय ने जिलाधिकारी से की शिष्टाचार भेंट, जनहित के विभिन्न मुद्दों पर हुई सार्थक चर्चा

जौनपुर। राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष (उत्तर प्रदेश) श्री दीपक वी. पांडेय ने अपने जौनपुर प्रवास के दौरान जिलाधिकारी, जौनपुर से शिष्टाचार एवं सौहार्दपूर्ण भेंट की। इस अवसर पर जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की लोक–कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जनपद के समग्र विकास से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत एवं सकारात्मक चर्चा हुई।बैठक के दौरान श्री दीपक वी. पांडेय ने जनसामान्य की समस्याओं, विकास कार्यों की गति, प्रशासन एवं समाज के बीच बेहतर समन्वय तथा आमजन तक सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ पहुंचाने जैसे विषयों पर अपने विचार रखे।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी महोदय का जनहित के प्रत्येक विषय पर अत्यंत सकारात्मक दृष्टिकोण, प्रशासनिक कार्यशैली एवं आम नागरिकों की समस्याओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता अत्यंत सराहनीय एवं प्रेरणादायी है। ऐसे जनसेवाभावी प्रशासनिक अधिकारियों के सहयोग से जनकल्याण एवं विकास कार्यों को और अधिक गति मिलती है।श्री दीपक वी. पांडेय ने जिलाधिकारी महोदय द्वारा दिए गए आत्मीय स्वागत, सौहार्दपूर्ण व्यवहार एवं बहुमूल्य समय के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि प्रशासन एवं समाज के संयुक्त प्रयासों से जनपद जौनपुर निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

तीन साल पुरानी गुमशुदगी बनी हत्या बाजना गांव के कुएं से मिले कंकाल के अवशेष

112 पर सूचना के बाद पुलिस की कार्रवाई, गांव के 2 लोगों पर हत्या का आरोप, अवशेष फरेंसिक को भेजे

(मथुरा)

थाना हाईवे क्षेत्र के बाजना गांव में तीन साल से लापता एक युवक की गुमशुदगी अब हत्या के शक में बदल गई है। 112 पर मिली गोपनीय सूचना के बाद पुलिस ने गांव के एक कुएं से कंकाल के अवशेष बरामद किए हैं, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

मामले के अनुसार, पीड़ित सत्यवीर ने पुलिस को बताया कि उनके चचेरे भाई की करीब तीन साल पहले गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। काफी तलाश के बाद भी वह नहीं मिला। सत्यवीर ने पुलिस को जानकारी दी कि गांव के ही दो लोग टीकम और महेश पर उन्हें शक है। उनका आरोप है कि दोनों ने उनके भाई को कुएं में धक्का देकर मार दिया था और शव वहीं छिपा दिया। सूचना मिलते ही थाना हाईवे पुलिस और आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कुएं की तलाशी ली तो वहां से कुछ अस्थियों के अवशेष मिले। प्रारंभिक तौर पर ये मानव कंकाल के अवशेष लग रहे हैं। पुलिस ने सभी अवशेषों को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक और मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट से ही मौत का कारण और शव की पहचान स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने आरोपी बताए जा रहे टीकम और महेश से पूछताछ शुरू कर दी है। गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि स्थिति बनी रहे। फिलहाल पुलिस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए हर एंगल से जांच कर रही है।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर ने बताया कि ष्सत्यवीर द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर तथ्यों और साक्ष्यों का संकलन किया जा रहा है। कुएं से मिले अवशेषों की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

संतोष श्रीवास्तव एंड सिंडिकेट पर गोमती पर अवैध कब्जा, फर्जी मीडिया चौनल बनाकर धोखाधड़ी मानहानि और जान से मारने की धमकी का आरोप, 'तिरंगा महाराज' ने मांगी FIR व सुरक्षा

लखनऊ. गोमती नदी बचाओ जीवन बचाओ अभियान के अध्यक्ष दीपक शुक्ला शतिरंगा महाराजश ने शुक्रवार को थाना इटौंजा में थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर संतोष श्रीवास्तव एंड सिंडिकेट के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल जमीन का नहीं बल्कि देश की सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता से जुड़ा है। यह उनके जीवन भर का संघर्ष है।

ज्ञापन में संतोष श्रीवास्तव, सतीश श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, मदनलाल, रिजवाना, अंजुम, अजहर हुसैन आब्दी, दिनेश गांधी, पुनीत ओहरी, दिव्या ओहरी सहित दो दर्जन अज्ञात को नामजद किया गया है। आरोप है कि इन लोगों ने आपराधिक षड्यंत्र रचकर गोमती नदी की सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर व्यावसायिक इस्तेमाल किया। शुक्ला ने कहा कि लखनऊ के जिलाधिकारी द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में दाखिल शपथ पत्र में नदी पर कब्जा प्रमाणित हो चुका है। यही अंतिम सरकारी प्रमाण है। इसके साथ वैज्ञानिकों की रिपोर्ट, लेखपाल के अभिलेख और धारा 67 के मुकदमे भी प्रमाण के तौर पर मौजूद हैं।

आरोप है कि सिंडिकेट ने 'जनता की आवाज' के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी व न्यूज चौनल बनाकर भ्रामक खबरें चलाकर मीडिया की बदनामी की। पूर्व में ष्पीटर थॉमस रेखा मिश्रा जर्नलिस्टष व एक महिला पत्रकार के नाम से फेक आईडी बनाकर धोखाधड़ी व फ्रॉड किया। साथ ही उन्हें व उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी जा रही है क्योंकि उनके पास देश विरोधी गतिविधियों के संवेदनशील सबूत हैं। शुक्ला ने मांग की कि आरोपियों के खिलाफ IPC 120बी, 153ए, 419, 420, 467, 468, 471, 500, 501, 506 व प्ज ।बज 66सी, 66डी, 67 में तत्काल FIR दर्ज कर गिरफ्तारी की जाए। साइबर सेल से फर्जी आईडी की IP व लोकेशन की जांच कराई जाए। साथ ही उन्हें व परिवार को तत्काल पुलिस सुरक्षा दी जाए। शाम 8 बजे थाना इटौंजा में दिए गए ज्ञापन के साथ क्ड लखनऊ का शपथ पत्र, फर्जी आईडी के स्क्रीनशॉट, वैज्ञानिक व लेखपाल रिपोर्ट संलग्न की गई। पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

'जाम और गंदगी दोनों पर वार'

हर ऑटो-ई-रिक्शा में डस्टबिन जरूरी, निर्धारित रूट से भटके तो होगी कार्रवाई

- मथुरा की सड़कों पर अब अश्टो-ई-रिक्शा की मनमानी नहीं चलेगी, नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने दिए सख्त निर्देश

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)

शहर को जाम और कचरे से मुक्त करने के लिए नगर निगम ने बड़ा अभियान शुरू कर दिया है। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने शनिवार को ऑटो और ई–रिक्शा संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर दो बड़े फैसले सुनाए – अब न ट्रैफिक में लापरवाही चलेगी, न सड़कों पर गंदगी।

बैठक में 2 विस्फोटक फैसले लिए गए जिसने नगर आयुक्त ने सख्त निर्देश दिए कि सभी ऑटो एवं ई–रिक्शा केवल अपने पंजीकृत एवं निर्धारित रूटों पर ही चलेंगे। उन्होंने कहा कि मनमानी रूटिंग की वजह से ही चौराहों और बाजारों में हर दिन जाम लगता है। निर्धारित रूट का पालन करने से अनावश्यक ट्रैफिक जाम पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकेगा और आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।ष दूसरे फैसले में स्वच्छता को लेकर नगर आयुक्त ने कहा कि अब प्रत्येक ऑटो और ई–रिक्शा में डस्टबिन रखना अनिवार्य है। यात्रियों और चालकों को सड़क या सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकने के बजाय डस्टबिन का ही उपयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सभी का सहयोग जरूरी है। नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई होगी।ष बैठक में अपर नगर आयुक्त सौरव सिंह और ऑटो और ई–रिक्शा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री गुलबीर चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने शहर की यातायात व्यवस्था और स्वच्छता अभियान में नगर निगम को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। नगर निगम की टीमें अब सड़कों पर चेकिंग करेंगी। रूट तोड़ने और डस्टबिन न रखने वाले वाहनों पर सीधी कार्रवाई तय है। इस फैसले से उम्मीद है कि मथुरा की सड़कें अब न सिर्फ जाम मुक्त होंगी, बल्कि साफ–सुथरी भी नजर आएंगी।

एल.डी.सी. पब्लिक स्कूल में पद भार पदारोहण समारोह एवं शैक्षणिक/सह-शैक्षणिक पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

प्रयागराज, एल.डी.सी. पब्लिक स्कूल, प्रयागराज में पद पद भार पदारोहण समारोह (Investiture Ceremony 2026) एवं शैक्षणिक एवं सह–शैक्षणिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन विद्यालय के प्रेक्षागृह में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. धनंजय चोपड़ा (पाठ्यक्रम समन्वयक, सेंटर ऑफ मीडिया स्टडीज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) चेयरमैन श्री विवेक गुप्ता, निदेशक सुश्री पूजा गुप्ता, प्रधानाचार्य डॉ. सुधांशु द्विवेदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती वंदना एवं गणेश वंदना के साथ हुआ। अतिथियों का पौधे भेंट कर स्वागत किया गया। प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन, नेतृत्व, नैतिक मूल्यों एवं उत्कृष्टता का संदेश दिया।

पदारोहण समारोह के अंतर्गत नवगठित छात्र परिषद को बैज एवं सैश प्रदान कर पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। अक्षिता तिवारी को हेड ऑफ कैबिनेट, कार्तिकेय केसरवानी को हेड बॉय तथा नशरा माबूद को हेड गर्ल नियुक्त किया गया। साथ ही अन्य छात्र पदाधिकारियों को भी विभिन्न जिम्मेदारियों का दायित्व सौंपा गया।

कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा प्रस्तुत राजस्थानी लोकनृत्य शघूमरश ने सभी का मन मोह लिया। पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर शैक्षणिक, सह–शैक्षणिक, खेल एवं पठन–पाठन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी, पदक एवं प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि श्री धनंजय चोपड़ा जी ने विद्यार्थियों से ईमानदारी, अनुशासन एवं सेवा–भाव के साथ नेतृत्व करने का आह्वान किया, और आत्मविश्वास, प्रभावी संवाद कौशल एवं आजीवन सीखने की भावना को सफलता का आधार बताया।

समारोह के अंत में धन्यवाद ज्ञापन, राष्ट्रगान एवं सामूहिक छायाचित्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। अतिथियों एवं अभिभावकों ने विद्यालय के उत्कृष्ट आयोजन, विद्यार्थियों के अनुशासन तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की भरपूर प्रशंसा की।

'ला मार्टिनियर कालेज की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में स्टडी हाल प्रेप स्कूल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन'

ला मार्टिनियर कॉलेज द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में स्टडी हॉल प्रेप स्कूल की छात्राओं दिविशा और सांची ने अपनी रचनात्मकता, आत्मविश्वास और शानदार मंच प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया।

षबर्ड्स और इंसेक्ट्सष श्रेणी में सांची ने षतितली के जीवन चक्रष का अनोखा और आकर्षक प्रस्तुतीकरण किया। उनकी खूबसूरती से तैयार की गई पोशाक में तितली के जीवन के सभी चरणों को बहुत ही सरल और प्रभावशाली ढंग से दिखाया गया, जिससे यह प्रस्तुति शिक्षाप्रद होने के साथ–साथ देखने में भी बेहद आकर्षक लगी। उनकी पोशाक और सभी प्रॉप्स पूरी तरह हाथ से तैयार किए गए थे, जो उनकी मेहनत और रचनात्मकता का सुंदर उदाहरण थे।

षप्रसिद्ध व्यक्तित्वष श्रेणी में दिविशा ने महान हास्य कलाकार चार्ली चौपलिन का शानदार अभिनय प्रस्तुत किया। उन्होंने चार्ली चौपलिन की मशहूर चाल, भाव–भंगिमाओं, हाथ में उनकी पहचान वाली छड़ी और बेहतरीन मंच प्रस्तुति के माध्यम से इस प्रसिद्ध किरदार को जीवंत कर दिया।

दोनों छात्राओं के आत्मविश्वास, प्रतिभा और शानदार प्रस्तुतियों ने न केवल उनकी मेहनत को दर्शाया, बल्कि स्टडी हॉल स्कूल की रचनात्मकता, मौलिक सोच और समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को भी उजागर किया। उनकी कल्पनाशील प्रस्तुतियाँ इस बात का प्रमाण हैं कि विद्यालय बच्चों को अपनी प्रतिभा और अभिव्यक्ति को कला और प्रदर्शन के माध्यम से विकसित करने के लिए निरंतर प्रेरित करता है।

मुरादाबाद RTO कार्यालय में भ्रष्टाचार के आरोपों से मचा हड़कंप, जांच की चर्चाओं ने बढ़ाई हलचल

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेशः मुरादाबादध्जनपद के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (त्ज्व्) में कथित भ्रष्टाचार, दलालों के नेटवर्क और विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर एक बार फिर चर्चाओं का बाजार गर्म है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे संदेशों और विभिन्न स्तरों पर सामने आ रहे आरोपों के बाद आरटीओ कार्यालय सुर्खियों में आ गया है। दावा किया जा रहा है कि कार्यालय में लंबे समय से सक्रिय दलालों, कुछ कर्मचारियों की संदिग्ध भूमिका तथा सरकारी कार्यों में अनियमितताओं को लेकर खुफिया एजेंसियां और स्थानीय खुफिया इकाई (स्प्न्) सतर्क हो गई हैं।

सूत्रों के अनुसार, कुछ मामलों में कार्यालय की गोपनीय फाइलों, रिकॉर्ड और डेटा की जांच की चर्चा भी तेज है। यह भी कहा जा रहा है कि कथित भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में कुछ कर्मचारियों की आय से अधिक संपत्ति एवं बेनामी संपत्तियों की भी पड़ताल हो सकती है। हालांकि इन दावों की अभी तक किसी सक्षम सरकारी एजेंसी या प्रशासनिक अधिकारी द्वारा आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

आरटीओ कार्यालय में आम लोगों से जुड़े कार्य जैसे वाहन पंजीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस, फिटनेस प्रमाणपत्र, परमिट और अन्य सेवाओं में दलालों की भूमिका को लेकर समय–समय पर शिकायतें सामने आती रही हैं। कई लोगों का आरोप रहा है कि बिना दलालों के माध्यम से कार्य कराना कठिन हो जाता है, जिससे आम नागरिकों को आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ता है।

यदि इन आरोपों की जांच होती है और उनमें सच्चाई पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि शासन भ्रष्टाचार के मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

हालांकि यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि फिलहाल सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से सामने आए इन दावों की स्वतंत्र एवं आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जांच पूरी होने और संबंधित विभाग की आधिकारिक जानकारी आने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सनसनीखेज खुलासा बहुचर्चित एपिफेनी चुन्नी गंज खालासी लाइन चर्च भूमि घोटाले का मुख्य सूत्रधार निकला कानपुर का डी. के. सिंह (धीरेन्द्र कुमार सिंह) व अखिलेश सिँह'

'जॉनसेन टी. जॉन को झूठे मामले में फंसाने का बड़ा षड्यंत्र बेनकाब'

'कोर्ट में होने वाली मुख्य गवाही को रोककूटरचित इकरारनामे या पावर ऑफ अटॉर्नी पर कही भी कोई सिग्नेचर (हस्ताक्षर) नहीं किए हैं। मेरे फर्जी दस्तखत व कूटरचित दस्तावेज डी. के. सिंह और उसके गिरोह द्वारा तैयार किए गए हैं। अदालत व जांच एजेंसियों के समक्ष मेरी महत्वपूर्ण गवाही होनी तय है। इस गवाही से डी. के. सिंह और गिरोह के अन्य प्रभावशाली भू–माफियाओं का पर्दाफाश होना निश्चित है। इसी गवाही को रोकने, मुझे डराने–धमकाने और कानूनी प्रक्रिया को भटकाने के उद्देश्य से मेरी छवि को धूमिल किया जा रहा है और मुझे मुख्य अभियुक्त के रूप में प्रोजेक्ट करने की कोशिश की जा रही है। खलासी लाइन, कानपुर की 16,000 वर्ग गज चर्च संपत्ति को खुर्द–बुर्द करने के लिए फर्जी ई–स्टाम्प व पावर ऑफ अटॉर्नी बनाई गई। मुख्य षड्यंत्रकारी की पहचान कानपुर निवासी धीरेन्द्र कुमार सिंह (डी. के. सिंह) पुत्र स्व. राम पाल सिंह, निवासी 67 रामपुरम, श्याम नगर, कानपुर इस फर्जीवाड़े का मुख्य सूत्रधार व गवाहध्संचालक है जॉनसेन टी. जॉन की होने वाली अदालत की गवाही से बौखलाकर आरोपी गिरोह द्वारा साक्ष्यों से छेड़छाड़ और गवाहों पर दबाव बनाने की पुरजोर कोशिश की जा रही है। जॉनसेन टी. जॉन ने अपने सभी कथित हस्ताक्षरों की फॉरेंसिक ध् हैंडराइटिंग एक्सपर्ट से जांच कराने की मांग की है, जिससे यह

सिद्ध हो सके कि उन्होंने कभी कोई हस्ताक्षर नहीं किए। जॉनसेन टी. जॉन एवं उनके विधिक प्रतिनिधियों ने शासन, पुलिस प्रशासन (कमिश्नरेट कानपुर नगर) एवं माननीय न्यायालय से गुहार लगाई है कि मुख्य आरोपी डी. के. सिंह एवं उसके गिरोह के विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए तथा जॉनसेन टी. जॉन को सुरक्षा प्रदान करते हुए उनकी गवाही को बिना किसी भय के दर्ज कराया जाए।

अधिकारियों की नाक के नीचे धड़ल्ले से चल रही नमकीन फैक्ट्री! प्रदूषण, बाल श्रम और लापरवाही के गंभीर आरोप,'

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेशः मुरादाबाद केजनपद में संचालित एक नमकीन फैक्ट्री को लेकर स्थानीय लोगों ने गंभीर आरोप लगाते हुए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि फैक्ट्री लंबे समय से नियमों की अनदेखी करते हुए संचालित हो रही है और संबंधित विभागों के संज्ञान में मामला होने के बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का आरोप है कि फैक्ट्री से निकलने वाला धुआं, धूल और प्रदूषण पूरे इलाके के वातावरण को दूषित कर रहा है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों का स्वास्थ्य लगातार प्रभावित हो रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार फैक्ट्री में कम उम्र के बच्चों से भी काम कराया जा रहा है, जो बाल श्रम कानूनों का गंभीर उल्लंघन है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि उनके पास बच्चों से काम कराए जाने के फोटो, फैक्ट्री के फोटो, वीडियो, स्थानीय लोगों के बयान तथा संबंधित अधिकारियों को दिए गए प्रार्थना पत्र सहित कई साक्ष्य मौजूद हैं। उनका आरोप है कि इतने सबूत होने के बावजूद जिम्मेदार विभागों ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि फैक्ट्री से निकलने वाले धुएं और प्रदूषण के कारण लोगों को सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई परिवारों का दावा है कि प्रदूषण के कारण गंभीर बीमारियां बढ़ी हैं। कुछ स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया है कि दम घुटने और प्रदूषण से कई लोगों की मौतें हुई हैं। हालांकि इन मौतों के कारण और फैक्ट्री से उनके संबंध की आधिकारिक पुष्टि अभी संबंधित विभागों द्वारा नहीं की गई है।

लोगों का आरोप है कि कई बार प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण विभाग, श्रम विभाग और अन्य संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दी गईं, लेकिन कार्रवाई के बजाय मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इससे क्षेत्रवासियों में भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि यदि समय रहते जांच और कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

शिकायतकर्ताओं ने मांग की है कि फैक्ट्री के संचालन की निष्पक्ष जांच कराई जाए, पर्यावरण मानकों की जांच हो, बाल श्रम के आरोपों की सत्यता की पड़ताल की जाए और यदि आरोप सही पाए जाएं तो फैक्ट्री संचालकों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही जिन अधिकारियों ने शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं की, उनकी भूमिका की भी जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए।

क्षेत्र के लोगों का कहना है कि वे इस मामले को लेकर उच्च अधिकारियों से भी न्याय की गुहार लगाएंगे। उनका कहना है कि आम जनता के स्वास्थ्य और बच्चों के भविष्य से जुड़ा यह मामला किसी भी कीमत पर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

(संपादकीय टिप्पणीरू इस समाचार में बाल श्रम, प्रदूषण, बीमारी, मौत और प्रशासनिक निष्क्रियता से जुड़े आरोप शिकायतकर्ताओं और स्थानीय लोगों के दावों पर आधारित हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच और आधिकारिक पुष्टि संबंधित विभागों द्वारा किया जाना आवश्यक है।)

एकादशी पर फलदार वृक्षारोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

वाराणसी। अंतरराष्ट्रीय क्षत्रिय विरांगना महासभा के तत्वावधान में एकादशी के पावन अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित अभियान के तहत देव वृक्ष आंवला सहित आम, अमरूद एवं जीवनदायी नीम जैसे फलदार एवं छायादार पौधों का वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में महानगर उपाध्यक्ष सुषमा सिंह ने सभी प्रतिभागियों का सम्मान करते हुए वृक्षारोपण अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने का आह्वान किया।इस अवसर पर पूर्वांचल अध्यक्ष सविता सिंह ने कहा कि फलदार वृक्ष न केवल छाया और फल प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ पक्षियों को आश्रय भी देते हैं। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की।राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) वंदना रघुवंशी ने कहा कि वृक्षारोपण प्रकृति के सौंदर्य को बढ़ाने का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम है। पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को इस अभियान से जुड़ना चाहिए।वृक्षारोपण अभियान में वंदना सिंह, भावना सिंह, ऋतु सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के अंत में महानगर उपाध्यक्ष सुषमा सिंह ने सभी उपस्थित सदस्यों के योगदान की सराहना करते हुए उनका सम्मान किया।

जल संकट का असंतुलित प्रबंधन अस्तित्व पर मंडराता खतरा

इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी वर्षा में लगभग 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, उत्तर भारत में सर्दियों का तापमान भी बढ़ा है। तापमान में यह मामूली प्रतीत होने वाली वृद्धि भी मिट्टी की नमी को तेजी से कम करती है।जल केवल प्रकृति का उपहार नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का आधार है। पृथ्वी पर जीवन की कल्पना जल के बिना असंभव है, फिर भी विडंबना यह है कि जिस जल को हमारी संस्कृति ने देवत्व प्रदान किया, उसी जल के प्रति हमारा व्यवहार सबसे अधिक लापरवाह रहा है। आज देश और दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों में जल संकट प्रमुख बन चुका है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध भूजल दोहन, जलवायु परिवर्तन और वर्षाजल के समुचित प्रबंधन के अभाव ने इस संकट को भयावह बना दिया है। यदि समय रहते चेतना नहीं जागी तो आने वाले वर्षों में पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और मानवीय संघर्ष का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। हाल के शोध इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर के अध्ययन के अनुसार पिछले दो दशकों में उत्तर भारत का भूजल भंडार लगभग 450 घन किलोमीटर घट चुका है। यह मात्रा देश के सबसे बड़े जलाशयों में से एक इंदिरा सागर बांध की कुल जल संग्रहण क्षमता से लगभग 37 गुना

अधिक है। यह आंकड़ा केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि भविष्य के संकट का स्पष्ट संकेत है। इसका अर्थ है कि जिस भूजल पर करोड़ों किसानों की खेती और करोड़ों लोगों का जीवन निर्भर है, वह तेजी से समाप्त हो रहा है।इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी वर्षा में लगभग 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, उत्तर भारत में सर्दियों का तापमान भी बढ़ा है। तापमान में यह मामूली प्रतीत होने वाली वृद्धि भी मिट्टी की नमी को तेजी से कम करती है। परिणामस्वरूप खेतों को पहले की अपेक्षा अधिक सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। जब वर्षा कम होती है और सिंचाई की मांग बढ़ती है, तब किसान भूजल पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। यही कारण है कि भूजल का पुनर्भरण कम और दोहन अधिक हो रहा है। आज भारत के अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर हर वर्ष नीचे जा रहा है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और मध्य भारत के कई हिस्से इस संकट की चपेट में हैं। अनेक स्थानों पर सैकड़ों फीट गहराई तक बोरवेल खोदने के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। कई गांवों में हैंडपंप सूख चुके हैं और शहरों में टैंकर संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। यह स्थिति बताती है कि यदि हमने अपनी जल नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पानी का संकट भोजन के संकट में भी बदल सकता है।भारत की कृषि व्यवस्था आज भी लगभग 80 प्रतिशत मीठे जल का उपयोग करती है। दुर्भाग्य से धान, गन्ना जैसी अधिक पानी वाली फसलें उन क्षेत्रों में भी उगाई जा रही हैं जहां जल संसाधन सीमित हैं। मुफ्त बिजली और सस्ते पानी की नीतियों ने कई क्षेत्रों में अनियंत्रित भूजल दोहन को बढ़ावा दिया है। जल का मूल्य शून्य समझे जाने के कारण उसका संरक्षण भी नहीं हो पा रहा। आवश्यकता इस बात की है कि कृषि नीति को जल उपलब्धता के अनुरूप बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में पानी कम है, वहां मोटे अनाज, दालें, तिलहन तथा कम पानी में तैयार होने वाली फसलों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जल संकट केवल खेती तक सीमित नहीं है। उद्योगों, महानगरों और बढ़ते शहरी विस्तार ने भी भूजल पर अत्यधिक दबाव डाला है। बड़े–बड़े भवनों, कॉलोनियों और औद्योगिक क्षेत्रों में वर्षाजल सीधे नालों में बह जाता है। यदि प्रत्येक भवन में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू हो जाए तो लाखों लीटर पानी हर वर्ष धरती के भीतर पहुंच सकता है। दुर्भाग्यवश अनेक राज्यों में कानून तो बने, लेकिन उनका प्रभावी पालन नहीं हो पाया।जल संकट का एक और गंभीर पक्ष जल प्रदूषण है। देश की अधिकांश नदियां औद्योगिक अपशिष्ट, रासायनिक कचरे और सीवेज के कारण प्रदूषित हो चुकी हैं। जब नदियों और तालाबों का जल उपयोग योग्य नहीं रहता तो भूजल पर दबाव और बढ़ जाता है। इसलिए जल संरक्षण के साथ–साथ जल स्रोतों की स्वच्छता भी समान रूप से आवश्यक है। नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पारिस्थितिकी की जीवनरेखा है। यदि नदियां स्वस्थ रहेंगी तो भूजल भी समृद्ध होगा। आज आवश्यकता केवल नई परियोजनाओं की नहीं, बल्कि जल संस्कृति के पुनर्जागरण की है। भारत में कभी तालाब, बावड़ियां, जोहड़, कुंड और पारंपरिक जल संरचनाएं गांवों की पहचान होती थीं। वे वर्षा के जल को रोककर भूजल को समृद्ध बनाती थीं। आधुनिक विकास की दौड़ में इन जल स्रोतों को या तो नष्ट कर दिया गया या अतिक्रमण का शिकार बना दिया गया। यदि इन पारंपरिक जल प्रणालियों का पुनर्जीवन किया जाए तो जल संकट को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। जल संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। घरों में पानी की अनावश्यक बर्बादी रोकना, वर्षाजल संचयन अपनाना, रिसाव ठीक कराना, कम पानी वाले उपकरणों का उपयोग करना और बच्चों में जल संरक्षण के संस्कार विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। यदि प्रत्येक परिवार प्रतिदिन कुछ लीटर पानी भी बचाए तो राष्ट्रीय स्तर पर करोड़ों लीटर जल की बचत संभव है। सरकार को भी जल प्रबंधन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। प्रत्येक जिले के लिए भूजल बजट तैयार किया जाए, भूजल दोहन पर वैज्ञानिक नियंत्रण हो, सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों–ड्रिप और स्प्रिंकलर–को व्यापक प्रोत्साहन मिले तथा ऐसे कृषि अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए जो कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली किस्में विकसित करे। साथ ही जल शिक्षा को विद्यालयों के पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी जल के महत्व को केवल पुस्तकों में नहीं, व्यवहार में भी समझ सके। भविष्य का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या हमारे पास आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्याप्त जल बचेगा? यदि आज भी हमने जल को केवल उपभोग की वस्तु समझा तो आने वाले वर्षों में जल के लिए संघर्ष, पलायन और सामाजिक असंतोष बढ़ना स्वाभाविक होगा। खाद्यान्न उत्पादन प्रभावित होगा, महंगाई बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गहरा संकट आएगा। इसलिए जल संरक्षण केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक शांति का भी प्रश्न है। आज समय की पुकार है कि 'जल बचाना ही भविष्य बचाना है।' हमें बदलती जलवायु के अनुरूप अपनी नीतियों, कृषि प्रणाली और जीवनशैली में व्यापक परिवर्तन लाने होंगे। वर्षा की प्रत्येक बूंद को धरती में उतारना, जल का विवेकपूर्ण उपयोग करना और जल अनुशासन को जन–आंदोलन बनाना ही इस संकट का सबसे प्रभावी समाधान है। यदि सरकार, वैज्ञानिक, किसान, उद्योग, सामाजिक संगठन और आम नागरिक मिलकर इस दिशा में संकल्पबद्ध प्रयास करें तो जल संकट को अवसर में बदला जा सकता है। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पानी की एक–एक बूंद के लिए संघर्ष करना मानव सभ्यता की सबसे बड़ी विवशता बन जाएगा।

सम्पादकीय

अब युद्धस्तरीय तैयारी की आवश्यकता

हैकर कुडनकुलम परमाणु संयंत्र का अति संवेदनशील डेटा चुराने में सफल हो गए। संयंत्र में कंट्रोल, कूलिंग, और वेंटिलेशन के इंजीनियरिंग ब्लू प्रिंटय तथा विक्रेताओंध आपूर्तिकर्ताओं की सूची को डार्क वेब पर डाल दिया गया है।

डेटा चोरी की ताजा घटना ने भारत की साइबर सुरक्षा से संबंधित कमजोरियों को फिर उजागर किया है। न्यूक्लीयर पॉवर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का दावा है कि लीक डेटा परमाणु सुरक्षा प्रणाली से संबंधित नहीं है। बहरहाल, इसे मान भी लिया जाए, तब भी इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि हैकर भारतीय परमाणु कार्यक्रम से संबंधित अति संवेदनशील डेटा चुराने में सफल हो गए। कुडनकुलम परमाणु संयंत्र में कंट्रोल, कूलिंग, और वेंटिलेशन के इंजीनियरिंग ब्लू प्रिंटय तथा विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं की सूची को श्वर्ल्ड लीक्सय नामक रैनसमवेयर ने चुरा लिया। इस डेटा के संचालन का ठेका 2018 में अनिल अंबानी की कंपनी को दिया गया था। इसके पहले श्वर्ल्ड लीक्सय ने टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी से डेटा चुराकर उसे डार्क वेब पर डाल दिया था।

बताया जाता है कि दोनों घटनाओं को मिलाकर लगभग 10 लाख से अधिक संवेदनशील फाइलें लीक हुई हैं। स्पष्टतरू यह केवल दो निजी कंपनियों की सुरक्षा में चूक का मामला नहीं है। बल्कि यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, भू–राजनीतिक साख, और वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग महाशक्ति बनने की महत्वाकांक्षा पर सीधा प्रहार है। कुडनकुलम परमाणु संयंत्र की मुख्य रिएक्टर प्रणाली भले सुरक्षित हो, लेकिन थर्ड पार्टी के सर्वर से संयंत्र की आंतरिक संवेदनशील संरचना का डार्क वेब पर पहुंच जाना दर्शाता है कि हमारी रणनीतिक सुरक्षा की कड़ियां कितनी कमजोर हैं। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स संबंधित घटना भारतीय कॉरपोरेट जगत की आर्थिक और तकनीकी साख से संबंधित है।

ये कंपनी एप्पल, टेस्ला, और क्वालकॉम जैसी वैश्विक कंपनियों के व्यावसायिक डेटा को संभालती है। इनका 630 जीबी डेटा डार्क वेब के जरिए अब उनकी प्रतिस्पर्धी कंपनियों को उपलब्ध है। जाहिर है, इससे भारत की विश्वसनीयता को गहरा धक्का लगा है। भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों का खास डेटा अगर सुरक्षित नहीं है, तो विदेशी निवेश लाने और तकनीकी हस्तांतरण की भारत की कोशिशों का सफल होना संदिग्ध बना रहेगा। इन घटनाओं ने साइबर कानूनों का सख्त अनुपालन कराने की भारत की क्षमता को कठघरे में ला खड़ा किया है। अतरू सरकार और उद्योग जगत को इसे महज श्डेटा ब्रीचय मानना बंद करना चाहिए। साइबर सुरक्षा के लिए अब युद्धस्तरीय तैयारी की आवश्यकता है।

कोई भी जीते, हारेंगे नरोत्तम

दतिया में मतदान सन्निकट है। कहने को यह चुनाव दोनों प्रमुख दलों – कांग्रेस और भाजपा के बीच हो रहा है, लेकिन आजाद समाज पार्टी ने आमने–सामने की सीधी लड़ाई को पेचीदा त्रिकोणीय संघर्ष में बदलकर हार–जीत के समीकरणों को गड़बड़ा दिया है। आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी दामोदर सिंह यादव के पेशगी तैयारी से मैदान में उतरने से संशय गहरा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सजातीय होने से अनेक लंतरानियां हवा में तैर रही हैं। चुनावी ऊंट की करवट को दादा (नरोत्तम मिश्र) की मौन मनौती से जोड़कर भी देखा जा रहा है। इसे हरेक अपने–अपने तरीके से बूझ रहा है। वस्तुतरू डॉ. नरोत्तम मिश्र की स्थिति तलवार की धार पे धावनों सरीखी हो गयी है। बीजेपी की जय और पराजय दोनों ही स्थितियों में उनके लिये नफा, कम, नुकसान ज्यादा का खतरा सन्निहित है। डॉ. नरोत्तम मिश्र इस सामंती इलाके में दादा के संबोधन से नवाजे जाते हैं। यह संबोधन उनकी हैसियत और छवि दोनों की चुगली करता है। इसमें आदर और दबंगई का ऐसा घोल है, जिसमें दोनों को पृथक्कृत नहीं किया जा सकता। इलाके में उनकी लोकप्रियता भी है और दबदबा भी। वह पारिवारिक प्रसंगों से लेकर धार्मिक अनुष्ठानों और सामाजिक समारोहों में शिरकत करते रहे हैं। उन्होंने अपनों को कृतार्थ किया तो बैरियों को सबक सिखाया। हाजिरजवाबी और शेरोशायरी से वह जलसों और महफिलों की शान रहे। पार्टी के लिये वह संकटमोचन रहे। उनकी साधन संपन्नता कइयों की ईर्ष्या का विषय बनी। दिल्ली के सत्ता सौध में वह एक अत्यंत प्रभावशाली नेता की नाक का बाल रहे और दिलचस्प तौर पर उन्होंने अपनी नाक के बालों का भी भरपूर खयाल रखा। कमलनाथ–सरकार को गिराने में भी उनकी नेपथ्य में महत्वपूर्ण भूमिका रही। अपने बयानों से वह सुर्खियों में रहे और आचरण से विवादास्पद। सूबे का सीएम बनने की उनकी महत्वाकांक्षा भी किसी से छिपी नहीं रह सकी।यही वे सन्दर्भ हैं, जो डॉ. नरोत्तम मिश्र को सत्तारूढ़ बीजेपी में अद्वितीय या विशिष्ट बनाते हैं। यही विशिष्ट नरोत्तम इस बार दतिया के उपचुनाव में टिकट से वंचित रहे। दादा का बेटिकट होना दादा के समर्थकों को कितना नागवार गुजरा, यह बीजेपी के नये नवेले उम्मीदवार के नाम का ऐलान होते ही जगजाहिर हो गया।

दादा नहीं तो कोई नहीं की रौ में दादा के उग्र समर्थकों ने खूब बवाल काटा। और दादा ...? बेबसी में दादा की आंखों में

देश के नागरिक अपने काम के लिए भगवान भरोसे

हरिशंकर व्यास

दुनिया के सभ्य व लोकतांत्रिक देशों की तर्ज पर भारत में भी हर सेक्टर के विनियमन के लिए संस्थाएं बनाई गई हैं। बैंकिंग से लेकर बीमा और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने से लेकर दवाओं की गुणवत्ता की निगरानी करने वाली संस्थाएं हैं। विमानन सेक्टर को रेगुलेट करने वाली संस्था है तो शेयर बाजार की निगरानी करने वाली संस्था भी है। उच्च शिक्षा को विनियमित करने वाली संस्था है तो देश भर में परीक्षा का आयोजन करने वाली संस्था भी है। सड़क परिवहन से लेकर रेलवे के परिचालन तक की एजेंसियां बनी हैं। व्यापार में स्वतंत्र व निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए एजेंसी बनी है। उपभोक्ताओं के संरक्षण के लिए सिर्फ एजेंसी नहीं है, बल्कि अदालतें भी हैं।

आप नागरिक जीवन से जुड़े किसी भी काम के बारे में सोचें और फिर गूगल में सर्च करें तो आपको उस काम से जुड़ी सरकारी एजेंसी का पता चल जाएगा। सवाल है कि जब इतनी नियामक संस्थाएं हैं तो नागरिक सेवाएं नियमित और बेहतर क्यों नहीं हैं? जब इतनी एजेंसियां जनता के पैसे से ही काम कर रही हैं तो फिर जनता उन्हीं सेवाओं को लेकर इतनी परेशान क्यों है? इसका एकमात्र जवाब है कि संस्थाओं की कोई जवाबदेही नहीं है।

ऐसा लगता है कि सरकार और सारी सरकारी संस्थाओं व नियामक एजेंसियों के संचालन के लिए देश के नागरिक टैक्स तो भरते हैं लेकिन अपने काम के लिए भगवान भरोसे रहते हैं। यह अपवाद ही होता है कि किसी एजेंसी ने नागरिक की किसी समस्या का समाधान किया। जब ऐसा होता है तो उसकी खबर बनती है। अक्सर अखबारों में या इन दिनों तो सोशल मीडिया में खबर आती है कि किसी ट्रेन यात्री ने ट्रेन की बोगी में गंदगी होने या पानी नहीं होने की शिकायत सोशल मीडिया में की और रेल मंत्री को टैग किया तो तुरंत कार्रवाई हो गई।

यह असल में पीआर एक्सरसाइज है। अगर सभ्य देश वाली व्यवस्था होती तो बोगी में गंदगी नहीं होती या पानी नहीं समाप्त हो गया होता। व्यवस्था ठीक तरीके से काम नहीं करती है तो उसके बारे में धारणा बनवाने के लिए ऐसी पीआर एक्सराइज की जाती है।

अगर सरकारी नियामक एजेंसियों की बात करें तो एक के बाद एक सारी एजेंसियां समान रूप से अक्षम या विफल दिखाई देंगी। भारत में बीमा सेक्टर को विनियमित करने के लिए इरेडा यानी इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड

डेवलपमेंट ऑथोरिटी का गठन किया गया है। लेकिन भारत में बीमा सेक्टर में जैसी गड़बड़ी है वैसी दुनिया के किसी देश में नहीं होगी। इरेडा को लगातार शिकायतें मिल रही हैं लेकिन वह कोई कार्रवाई नहीं करती है। इरेडा को पता है और उसकी रिपोर्ट में बताया गया है कि बीमा एजेंट मिससेलिंग कर रहे हैं यानी झूठ बोल कर लोगों को बीमा बेच रहे हैं परंतु वह कोई प्रभावी कार्रवाई नही कर पाती है।

इरेडा के पास रिपोर्ट है कि निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनियां 40 फीसदी तक क्लेम रिजेक्ट कर रही हैं या बीमा की रकम के मुकाबले बहुत कम भुगतान कर रही हैं। लेकिन वह कुछ नहीं कर रहा है या कर पा रहा है। जीवन बीमा में भी निजी कंपनियों का दावा भुगतान का रिकॉर्ड बहुत खराब है। निजी कंपनियों ने जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम पर एजेंट का कमीशन चार गुना बढ़ा दिया है, जिससे एजेंट मिससेलिंग ज्यादा करने लगे हैं और ग्राहकों का लाभ कम हुआ है। पर इरेडा को इसकी परवाह नहीं है। नागरिकों से ऊपर बीमा कंपनियों का हित है।

ऐसे ही विमानन सेक्टर को विनियमित करने के लिए नागरिक विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए बना है। लेकिन विमानों का परिचालन विमानन मंत्रालय या डीजीसीए के हिसाब से नहीं होता है, बल्कि विमानन कंपनियों के हिसाब से होता है। भारत में विमानन कंपनियां मनमाना किराया तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। ईंधन की किल्लत हुई थी तब सरकार ने इसे नियंत्रित करने का प्रयास किया था। हालांकि तब भी कंपनियां अपने हिसाब से काम करती थीं। लेकिन अब तो पाबंदी भी हटा दी गई है। एक हजार किलोमीटर की यात्रा का किराया भारत में कंपनियां 50 हजार रुपए से ज्यादा तक वसूलती हैं।

प्रयागराज में महाकुंभ के समय पांच सौ किलोमीटर की यात्रा के लिए भी 50 हजार रुपए से ज्यादा वसूले गए। विमानन कंपनियां मनमाना किराया वसूलती हैं और घटिया से घटिया सुविधा देती हैं। किराए की बात हो रही है तो बता दें कि सरकार ने विमानन कंपनियों से कहा था कि वे 60 फीसदी सीटें फ्री रखें और बिना पैसे के टिकट के साथ सीट बुक करें। लेकिन कंपनियों ने इसे मानने से इनकार कर दिया। बाद में सरकार को सरकुलर वापस लेना पड़ा। स्थिति यह है कि विमानन कंपनियां लगभग सारी सीटें अलग से बेचती हैं या टिकट के अलावा अलग से पैसे लेती हैं। अगर चार लोगों का परिवार यात्रा कर रहा है और सोचे कि बिना पैसे दिए सीट हासिल करें तो यह नामुमकिन होगा। अगर सीट मिल भी गई तो पूरा परिवार विमान में अलग अलग बैठा मिलेगा। विमान यात्री उनकी मर्जी के मोहताज होते हैं। एक घंटे तक की देरी को तो विमानन कंपनियां देरी भी नहीं मानती हैं और न इसके लिए खेद जताती हैं। भारत सरकार के एक मंत्री हैं शिवराज सिंह चौहान कुछ समय पहले एक विमान में टूटी कुर्सी पर बैठ कर आए थे। सोशल मीडिया में शिकायत भी की थी लेकिन हुआ कुछ नहीं। असल में पिछले 12 साल में एक एक करके विमानन कंपनियां बंद होती गईं और सरकार ने दो कंपनियों की मोनोपोली बन जाने दी। उसके बाद सरकार के हाथ में करने को कुछ नहीं रह गया है।

भारत में खाने पानी की वस्तुओं की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए एफएसएसएआई यानी फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड ऑथोरिटी ऑफ इंडिया नाम की एक संस्था है। इसके कामकाज में गड़बड़ियों को लेकर सोशल मीडिया में कई सालों से अभियान चल रहा है। लेकिन कामकाज में सुधार की बजाय एजेंसी सोशल मीडिया हैंडल्स को कानूनी नोटिस भेजती रहती है। हकीकत यह है कि देश में खाने पीने की कोई भी चीज सुरक्षित नहीं है। पहले खुली या कच्ची चीजों में मिलावट की खबर आती है। लेकिन अब पैकेज्ड वस्तुओं की मिलावट ज्यादा चर्चा में है। शैंम्पू और यूरिया की मिलावट से दूध बन रहा है, बाजार में 50 फीसदी तक पनीर व खोया मिलावटी मिल रहा है, मसालों में गोबर की मिलावट पकड़ी जा रही है, फल व सब्जियों पर मात्रा से ज्यादा कीटनाशक की मात्रा मिल रही है, उनमें इंजेक्शन लगाने और रंग चढ़ा कर बेचने की खबरें भी बरसों से चल रही हैं। नागरिकों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाली चीजों की मिलावट खाने पीने की चीजों में हो रही है और लोगों की सेहत पर इसका असर भी दिख रहा है लेकिन इसे नियमित करने के लिए बनी संस्था की कोई जवाबदेही नहीं है। पैकेज्ड वस्तुओं की मात्रा का मामला अलग है। कंपनियां मनमाने तरीके से पैकेट के आकार घटाती हैं या उनमें वस्तुओं की मात्रा कम करती हैं। खाने पीने की एक्सपायर्ड वस्तुएं बाजार में धड़ल्ले से चल रही हैं। व्यवस्थित तरीके से यह काम होता है। बड़ी कंपनियों की एक्सपायर्ड हो चुकी वस्तुओं को लेबल बदल कर वापस बाजार में उतार दिया जा रहा है। एकाध मामले पकड़े जाते हैं बाकी वस्तुएं लोग खा पी रहे हैं।

यही हाल भारत में ड्रग कंट्रोल ऑथोरिटी का है। देश में आए दिन नकली दवाएं पकड़ी जा रही हैं। कैंसर जैसी बीमारी के इलाज में इस्तेमाल होने वाली नकली दवाएं बनती और बिकती हैं। दवा नकली हो या असली अनाप शनाप कीमत पर बिकती है। लेबल बदल कर सौ रुपए की दवा हजार, दो हजार रुपए में बेची जाती है। यह सिर्फ दवाओं के मामले में नहीं होता है। इस्तेमाल हो चुके सीरिंज और फंगस लगे सेलाइन वाटर मरीजों को चढ़ाए जाने की खबरें भी आए दिन आती हैं। मेडिकल उपकरणों के मामले में भी ऐसा ही होता है। लेकिन एटीट्यूड वही है कि सब चलता है। लोग भी कहते हैं कि इतना बड़ा देश है, इतनी बड़ी आबादी है तो कहां कहां नजर रखी जाएगी।

एक देश, एक परीक्षा के नाम पर

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज का दिन आपके जीवन में नए अवसर लेकर आने वाला है। आज अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए भरपूर प्रयास करेंगे।

वृष राशि–
आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज अचानक ही महत्वपूर्ण काम के पूरे हो जाने से आपको बहुत प्रसन्नता होगी। आज आपका अधिकतम समय धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में बीतेगा।

मिथुन राशि–
आज आपका दिन ताजगी भरा रहेगा। आज कारोबार में छोटी–छोटी बारीकियां समझना जरूरी है किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना उचित रहेगा।

कर्क राशि–
आज आपका दिन मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज के दिन यदि धैर्य और समझदारी से कार्य करेंगे तो आपको सफलता मिलनी तय है।

सिंह राशि–
आज का दिन आपके लिए लकी साबित होने वाला है। आज आप घर पर ही धार्मिक अनुष्ठान करवाने की योजना बनायेंगे। भविष्य को लेकर बनाई कार्य योजनाएं आज कारगर साबित होंगी।

कन्या राशि–
आज आपका दिन आपके लिए यादगार साबित होगा। प्रतियोगी छात्रों के लिए किसी परीक्षा का मोस्ट अवेटेड रिजल्ट उनके पक्ष में आएगा।

तुला राशि–
आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। आज हर रोज की गतिविधियों और व्यस्तता से राहत पाने के लिए कुछ समय अपने लिए भी जरूर निकालें।

वृश्चिक राशि–
आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर पर आपके अच्छे गुणों की चर्चा होगी। मीडिया और ऑनलाइन माध्यम से आपको बिजनेस से रिलेटेड जानकारी मिलती रहेगी।

धनु राशि–
आज आपका दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आपकी कार्य योजनाओं को आज सकारात्मक दिशा मिलेगी।

मकर राशि–
आज का दिन आपके जीवन में नई संभावनाएं लेकर आने वाला है। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे साथ ही पिछले कुछ समय से चल रही आर्थिक समस्याओं से आज राहत मिलेगी।

कुंभ राशि–
आज दिन आपके लिए ज्ञानवर्धक रहेगा। आज आप किसी सेमिनार में हिस्सा लेंगे जहां आप काफी जानकार लोगों से मिलेगे कुछ नया सीखने को मिलेगा

मीन राशि–
आज का दिन आपके फेवर में रहेगा। टेक्नोलॉजी से जुड़े लोगों को आज नए अवसर मिलेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है, किसी प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। इस समय कई खर्चे सामने आएंगे, लेकिन साथ ही साथ आय के स्त्रोत बढ़ने से आर्थिक समस्या नहीं रहेगी। इस राशि के लेखकों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। किसी कविता या कहानी के लिए उन्हें सम्मानित किया जायेगा।

124.03 लाख की लागत से कठीरावद्नेवादा मार्ग का भूमि पूजन, पिंडरा विधायक डा. अवधेश सिंह बोले, विकास कार्यों में नहीं आने दी जाएगी कोई कमी

पिंडरा, वाराणसी। पिंडरा विधानसभा क्षेत्र में सड़क संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विधायक डॉ. अवधेश सिंह ने सोमवार को 124.03 लाख रुपये की लागत से बनने वाले कठीरावदृ नेवादा मार्ग का विधिवत भूमि पूजन किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नारियल फोड़कर एवं शिलापट्ट का अनावरण कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर विधायक डॉ. अवधेश सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कठीरावदृनेवादा मार्ग के निर्माण से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। यह सड़क बनने के बाद कठीराव और नेवादा के बीच यात्रा सुगम होगी तथा किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और आम नागरिकों को काफी राहत मिलेगी। बरसात के दिनों में होने वाली आवागमन की कठिनाइयों से भी लोगों को निजात मिलेगी।

उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एवं समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को शीघ्र इसका लाभ मिल सके। विधायक ने कहा कि पिंडरा विधानसभा में विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे और जनहित से जुड़े प्रत्येक कार्य को प्राथमिकता दी जाएगी। भूमि पूजन कार्यक्रम में जिला महामंत्री जेपी दुबे, आदित्य दुबे,

मनोज शुक्ला, बच्चन चौहान, जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह, बाबा शंकर पांडेय, मीठे सिंह, दीपक सिंह, अभिषेक राजपूत,दिलीप सिंह प्रधान,मुरारी सिंह,अनुज सिंह, अजय पटेल, रमेश पटेल,सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर विधायक का आभार व्यक्त किया और क्षेत्र के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान ने सुनीं जनसमस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

मिल्कीपुर। क्षेत्र की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देते हुए मिल्कीपुर के विधायक चंद्रभानु पासवान ने आज परसौली स्थित अपने आवास पर जनसुनवाई आयोजित की। इस दौरान क्षेत्र से पहुंचे बड़ी संख्या में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनीं। विधायक ने संबंधित अधिकारियों को जनसमस्याओं के शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनसेवा उनके लिए केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक पुनीत संकल्प है। जनता की हर आवाज महत्वपूर्ण है और प्रत्येक समस्या का समाधान सुनिश्चित करना उनका लक्ष्य है।जनसुनवाई में सड़क, बिजली, पानी, राजस्व, पेंशन तथा अन्य स्थानीय समस्याओं से जुड़े मामलों पर चर्चा हुई। विधायक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

सीआईएससीई यूपी यूके जोनल कबड्डी में लखनऊ पब्लिक कालेज का दबदबा कायम-

लखनऊ. सीआईएससीई जोन–बी कें स्कूलों के बीच आयोजित खेल–कूद प्रतियोगिताओं के कबड्डी में लखनऊ पब्लिक कालेज, ए–ब्लाक राजाजीपुरम् शाखा ने चौंपियनशिप की ट्राफी पर अपना कब्जा बरकरार रखा। जोनल कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन लखनऊ पब्लिक स्कूल की ए–ब्लाक शाखा में किया गया। जिसमें, लखनऊ पब्लिक स्कूल, सेंट जोसेफ मान्टेसरी स्कूल, एसकेडी अकाडमी सेंट एन्स सहित कई अन्य विद्यालयों की टीमों ने प्रतिभाग किया। लखनऊ पब्लिक कालेज के कोच व खेल प्रशिक्षक हरजीत सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन अण्डर–14, अण्डर–17 तथा अण्डर–19 आयु वर्गो में बालकध बालिकाओ के लिये किया गया। कबड्डी प्रतियोगिता के अण्डर–14, 17 तथा अण्डर–19 बालक तीनों वर्ग में अपने दमदार प्रदर्शन के चलते ट्राफी पर अपना कब्जा बनाये रखा। वही बालिकाओं ने अण्डर–14 वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया अण्डर–17 और अण्डर–19 में बालिकाओं को दूसरे स्थान पर संतोष अरना पड़ा। वही अण्डर–19 वर्ग में सेंट जोसेफ मांटेसरी स्कूल राजाजीपुरम् की बालिकाओं ने प्रथम स्थन पर कब्जा किया। इस अवसर पर लखनऊ पब्लिक स्कूल एंड कालेज के संस्थपक एवं सांसद डा0 एस0 पी0 सिंह ने खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर अपनी शुभकामनायें प्रदान की। वही प्रधानाचार्या भारती गोसाई ने सभी प्रतिभागियों का शुभकामनायें व बधाइयां देते हुये विजेता टीमों शील्ड, ट्राफी तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया भारती गोसाई ने बताया कि इन्ही विजेता बच्चों की टीम आगे रीजनल खेलने जायेगी।

बागबान सिंधी महिला संस्था का तीज उत्सव धूमधाम से संपन्न, सावन की मस्ती में झूमीं महिलाएं

वाराणसी। बागबान सिंधी महिला संस्था द्वारा रविवार को कैंटोनमेंट स्थित सूर्या होटल में तीज उत्सव एवं सावन के उपलक्ष्य में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ इष्टदेव भगवान झूलेलाल जी की आरती के साथ हुआ।

संस्था की अध्यक्ष श्रीमती निधि लालवानी ने सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए सावन और तीज पर्व की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का सफल संचालन मेहर चावला एवं दिशा तुलसियान ने किया।इस अवसर पर संस्था की महिलाओं ने लोकगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मनमोहक नृत्यों के माध्यम से सावन और तीज के उल्लास को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में सचिव कीर्ति बिजलानी, कोषाध्यक्ष नीलम वासवानी, पूजा बदलानी, हर्षा केसवानी, वर्षा लालवानी, सुनीता पंजवानी, मधु मोटवानी, पूनम किशनानी, श्वेता चांगारानी, पूजा लखमानी एवं वर्षा बढ़ानी सहित अनेक सदस्याओं ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं।कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक श्रीमती मधु विशनानी, मुस्कान रुपानी, मिस्टी वाधवानी, पायल राजवानी, मधु दोडवानी एवं पूर्णिमा खत्री की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पारंपरिक तीज उत्सव का आनंद लेते हुए एक–दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

डैलिम्स सनबीम स्कूल में एएफएस इंडिया नार्थ जोन क्षेत्रीय सम्मेलन-2026 का भव्य शुभारंभ, वैश्विक नागरिकता और सांस्कृतिक समन्वय पर मंथन

वाराणसी। डैलिम्स सनबीम स्कूल एंड हॉस्टल, रोहनियां में आयोजित त्रिदिवसीय एएफएस इंडिया क्षेत्रीय सम्मेलन (नॉर्थ जोन मेंबर स्कूल्स)–2026 के दूसरे दिन शनिवार को भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। 24 से 26 जुलाई तक चल रहे इस सम्मेलन का उद्देश्य अंतरसांस्कृतिक शिक्षा, वैश्विक नागरिकता और विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों एवं शिक्षाविदों के बीच सांस्कृतिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देना है।सम्मेलन में देशभर के विभिन्न विद्यालयों से आए करीब 50 पदाधिकारी, समन्वयक एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विद्यालय परिसर को काशी की सांस्कृतिक विरासत से सजाया गया था। यहां बनारसी साड़ी, बनारसी पान, लकड़ी की हस्तशिल्प सामग्री, नमो घाट का मॉडल, काशी के घाटों, मंदिरों, साहित्य, संगीत एवं संस्कृति से जुड़ी आकर्षक प्रदर्शनी सभी आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के संस्थापक डॉ. अमृतलाल इशरत एवं श्रीमती गीता इशरत के चित्र पर मुख्य अतिथि संत बाबा हरनाम सिंह खालसा, विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप श्बाबाश मधोक, निदेशिका पूजा मधोक, एडिशनल डायरेक्टर माहिर मधोक, डीन ऑफ एकेडमिक्स सुभोदीप डे तथा प्रधानाचार्या गुरमीत कौर द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया।विद्यालय के विद्यार्थियों ने श्रुद्राक्ष बैंडश की सुमधुर प्रस्तुति से अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद विभिन्न सहभागी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अनुशासित एवं आकर्षक फ्लैग मार्च प्रस्तुत कर षविविधता में एकताष का संदेश दिया।इस अवसर पर जयंत लाल (अध्यक्ष, एएफएस स्कूल कमेटी), दीया बैजल (राष्ट्रीय निदेशिका, एएफएस इंडिया), स्वामी आत्माश्रद्धानंद (सेक्रेटरी, रामकृष्ण मिशन, मुंबई), देवेंद्र सिंह मिन्हास एवं अर्पित पजवानी (एएफएस नॉर्थ जोन समन्वयक) का बुके, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया।विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप श्बाबाश मधोक ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि आज शिक्षा केवल पुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं रह सकती। विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए वैश्विक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। एएफएस इंडिया के साथ यह साझेदारी विद्यार्थियों को संवेदनशील, जिम्मेदार और जागरूक वैश्विक नागरिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।मुख्य अतिथि संत बाबा हरनाम सिंह खालसा ने अपने आशीर्वचन में

कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, सहिष्णुता और निस्वार्थ सेवा की भावना विकसित करना भी है। उन्होंने युवाओं से आधुनिकता के साथ भारतीय आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया।सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों ने कृष्ण विषयक नृत्य–नाटिका तथा शरिद्म ऑफ सेलिब्रेशनश की मनमोहक प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। द्वितीय दिवस का मुख्य आकर्षण श्पैनल डिस्कशनश रहा, जिसमें विभिन्न राज्यों से आए शिक्षा विशेषज्ञों एवं प्रतिनिधियों ने षशांति, समावेशिता और वैश्विक नागरिकता को बढ़ावा देने में स्कूलों की भूमिकाष विषय पर अपने विचार साझा किए।

वक्ताओं ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन और विश्व बंधुत्व का सशक्त माध्यम बताते हुए विद्यार्थियों में वैश्विक सोच एवं मानवीय मूल्यों के विकास पर विशेष जोर दिया।

श्री संकट मोचन हनुमत धाम में विराजे बजरंगबली

11 कुंडीय हनुमान महायज्ञ की पूर्णाहुति, बारिश भी नहीं डिगा सकी श्रद्धाय हजारों भक्तों ने लिया पुण्य लाभ

पिहानी (हरदोई)।

अमिरता बढ़ैया स्थित श्री संकट मोचन हनुमत धाम शनिवार को भक्ति, श्रद्धा और सनातन आस्था का अद्भुत केंद्र बन गया। वैदिक मंत्रोच्चार और श्रद्धा के पावन वातावरण के बीच भगवान श्रीहनुमान की छह फीट ऊंची नवीन प्रतिमा की स्थापना की गई। महायज्ञ का संचालन गायत्री प्रज्ञापीठ पिहानी के प्रमुख ट्रस्टी श्री अतुल कपूर ने किया। व्यवस्थापक देवेंद्र मिश्रा ने भक्ति रस से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति दी, जबकि सुनील सागर ने श्रीहनुमान के भजनों से श्रद्धालुओं को भाव–विभोर कर दिया।समाजसेवी एवं आयोजनकर्ता जोगराज सिंह ने भगवान श्रीहनुमान की नवीन प्रतिमा की स्थापना का मुख्य पूजन किया तथा महायज्ञ की पूर्णाहुति में सभी श्रद्धालुओं के साथ आहुतियां अर्पित कीं। कार्यक्रम में संजय सिंह, बलराम सिंह, शत्रुघ्न सिंह, निखिल, विवेक कुमार, हर्षित, सुनील राठौर, अनिल राठौर, धर्मेंद्र राठौर, अनु शर्मा, निखिल गुप्ता, रजनीकांत त्रिपाठी (सिरसा), रामू सिंह (बखरिया), आदित्य सिंह सहित सहादतनगर, कालाबोझ, माझिया, बखरिया और वाजिदनगर सहित आसपास के गांवों से आए हुए गायत्री

प्रज्ञा पीठ के परिजनों ने मंच से प्राप्त निर्देशों का पालन करते हुए भक्तों से पूजन कराया।इस दौरान पूर्व राज्यसभा सांसद नरेश अग्रवाल के प्रतिनिधि संजू शर्मा, ब्लॉक प्रमुख कुशी बाजपेई, नगर पालिका परिषद पिहानी के अधिशासी अधिकारी अमित कुमार सिंह, पत्रकार नवनीत बाजपेई, मीरा गैस एजेंसी के प्रबंधक दुर्गेश पांडेय, समाजसेवी अखिलेश बाजपेई, सागर पांडेय, सभासद पियूष शुक्ला, भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव गुप्ता, पूर्व सभासद राजीव गुप्ता, सभासद प्रतिनिधि अरुण गुप्ता, विशाल सिंह,सदर लेखपाल आशीष बाजपेई, लेखपाल पंकज पाल, भारतीय किसान यूनियन अखंड भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणजीत सिंह राणा, वीरेश गुप्ता, दिनेश गुप्ता, पूर्व ब्लॉक प्रमुख जेपी गुप्ता, अजात बाजपेई, दीपक शर्मा, मुकेश शर्मा, मन्दीप सिंह, बबलू पाल, सुभाष पाल, सुरेंद्र पाल, वेद प्रकाश पाल, अश्वनी एवं आशीष श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

महायज्ञ के दौरान हुई वर्षा भी श्रद्धालुओं की आस्था को डिगा नहीं सकी। तेज बारिश के बीच भी हजारों श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ यज्ञ, प्रतिमा स्थापना एवं विशाल भंडारे में अंत तक बने रहे। स्वयंसेवकों ने व्यवस्था संभालते हुए श्रद्धालुओं की सेवा में कोई कमी नहीं आने दी।सुरक्षा व्यवस्था के लिए कोतवाल श्याम नारायण सिंह पुलिस बल के साथ पूरे समय मुस्तैद रहे। वहीं जनसेवा की भावना से नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी अमित कुमार सिंह, वरिष्ठ लिपिक गोपाल कृष्ण अवस्थी, लिपिक अश्विनी बाजपेई एवं पालिका कर्मी लगातार व्यवस्थाओं में जुटे रहे। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रभारी अधीक्षक डॉ. जितेंद्र श्रीवास्तव के निर्देशन में डॉ. हीरा मुमताज सहित 10 सदस्यीय चिकित्सा दल ने शिविर लगाकर सेवाएं दीं।गायत्री प्रज्ञापीठ पिहानी के 51 परिजनों ने पूरे महायज्ञ को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। प्रमुख ट्रस्टी श्री अतुल कपूर ने कहा, षसनातन परंपरा में यज्ञ के दौरान अथवा पूर्णाहुति के बाद वर्षा होना ईश्वर की विशेष कृपा और शुभ संकेत माना जाता है।

फुल माउथ रीकंस्ट्रक्शन - खोई हुई मुस्कान को फिर से पाने का आधुनिक समाधान

दांतों का पूरी तरह खराब हो जाना या सभी दांतों का निकल जाना केवल खाने–पीने की क्षमता को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि व्यक्ति के आत्मविश्वास और चेहरे की सुंदरता पर भी असर डालता है। आधुनिक डेंटल इम्प्लांट तकनीक के माध्यम से अब फुल माउथ रीकंस्ट्रक्शन संभव है, जिसमें पूरे जबड़े के दांतों को स्थायी रूप से पुनर्स्थापित किया जा सकता है।

फुल माउथ रीकंस्ट्रक्शन में विशेष डेंटल इम्प्लांट्स को जबड़े की हड्डी में स्थापित कर उन पर फिक्स्ड दांत लगाए जाते हैं। यह उपचार पारंपरिक ढीले डेंचर की तुलना में अधिक आरामदायक, मजबूत और प्राकृतिक अनुभव प्रदान करता है। मरीज आसानी से भोजन कर सकता है, स्पष्ट बोल सकता है और आत्मविश्वास के साथ मुस्कुरा सकता है।

ईएसडी डेंटल क्लिनिक, लखनऊ में डॉ. चन्द्र प्रकाश तिवारी एवं उनकी विशेषज्ञ टीम अत्याधुनिक 3क डिजिटल प्लानिंग और विश्वस्तरीय इम्प्लांट तकनीक द्वारा फुल माउथ रीकंस्ट्रक्शन की सुविधा प्रदान कर रही है। यदि आपके दांत पूरी तरह खराब हो चुके हैं या आप ढीले डेंचर से परेशान हैं, तो डेंटल इम्प्लांट आपके लिए एक स्थायी और भरोसेमंद समाधान हो सकता है।संपकर्रू 7266923333ईएसडी डेंटल क्लिनिक, बी–ब्लॉक, सूरजदीप कॉम्प्लेक्स, दैनिक जागरण चौराहा, जॉपलिंग रोड, लखनऊ.1

मर्सिडीज बेंज ने वाराणसी में प्राइम स्टार के तहत अत्याधुनिक लग्जरी सर्विस फैसिलिटी लान्च किया

वाराणसी। भारत की सबसे पसंदीदा लग्जरी कार निर्माता मर्सिडीज–बेंज ने आज उत्तर प्रदेश के वाराणसी में अपनी नई अत्याधुनिक 2एस लग्जरी सर्विस फैसिलिटी का उद्घाटन किया। प्राइम स्टार द्वारा संचालित यह लग्जरी सर्विस सेंटर शहर में मर्सिडीज–बेंज की पहली मौजूदगी है और इसके साथ ही ब्रांड ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है।

मर्सिडीज–बेंज ने वाराणसी में नई मर्सिडीज– एएमजी ई 53 हाइब्रिड 4 मैटिक. भी लॉन्च की, जो ब्रांड की पहली इलेक्ट्रिफाइड एएमजी ई–क्लास मॉडल है। इसमें 3.0–लीटर इन–लाइन सिक्स–सिलेंडर इंजन के साथ इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है, जो मिलकर 430 किलोवॉट (585 हॉर्सपावर) की संयुक्त पावर पैदा करते हैं। यह प्लग–इन हाइब्रिड तकनीक एएमजी की शानदार ड्राइविंग परफॉर्मेंस के साथ बेहतरीन ईंधन दक्षता भी देती है। यही वजह है कि यह लग्जरी परफॉर्मेंस सेडान रोजमर्रा के इस्तेमाल के साथ–साथ रेस ट्रैक पर दमदार प्रदर्शन के लिए भी बेहद आकर्षक बन जाती है।नई लग्जरी सर्विस फैसिलिटी में सर्विस और वाहन डिलीवरी दोनों एक ही जगह पर उपलब्ध होंगे, जिससे ग्राहकों को मर्सिडीज–बेंज का संपूर्ण लग्जरी ओनरशिप अनुभव मिलेगा। करीब छह महीने में तैयार हुई प्राइम स्टार वाराणसी में ग्राहकों को मर्सिडीज–बेंज का शानदार ब्रांड अनुभव मिलेगा। यहां निजी और अर्ध–निजी कंसल्टेशन एरिया, लग्जरी कस्टमर लाउंज, मर्सिडीज–बेंज की आकर्षक एक्सेसरीज और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स की बड़ी रेंज उपलब्ध है। एक्सक्लूसिव कस्टमर लाउंज, हॉस्पिटैलिटी काउंटर, बुटीक एलिमेंट्स वाली शॉप वॉल और खास डिलीवरी के लिए इनोवेटिव श्की प्रेजेंटरश इसे वाराणसी के महत्वाकांक्षी ग्राहकों के लिए नया लग्जरी ठिकाना बनाते हैं।एनएच –31 पर बेहद रणनीतिक और प्रमुख लोकेशन पर, एयरपोर्ट के नजदीक स्थित प्राइम स्टार वाराणसी तक शहर के हर हिस्से से आसानी से पहुंचा जा सकता है। इसकी लोकेशन ऐसी है कि यह न सिर्फ वाराणसी बल्कि पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश के ग्राहकों के लिए सुविधाजनक है। यह सर्विस फैसिलिटी तेजी से विकसित हो रहे और बेहतर कनेक्टिविटी वाले ट्रांजिट हब के बीच स्थित है, जहां लगातार नए विकास कार्य हो रहे हैं। ऐसे में यह शहर के लग्जरी कार ग्राहकों के लिए एक अहम केंद्र बनकर उभरेगी।यह अत्याधुनिक सर्विस फैसिलिटी करीब 25,000 वर्ग फुट में फैली है, जिसमें 10 ऑपरेशनल सर्विस बे और स्पेयर पार्ट्स के लिए अलग समर्पित एरिया मौजूद है। यहां प्रिवेंटिव मेंटेनेंस, सामान्य मरम्मत और बॉडी एवं पेंट से जुड़े हर तरह के काम के लिए नवीनतम मशीनरी उपलब्ध है।फैसिलिटी में एक 180 किलोवॉट चार्जर और दो चार्जिंग बे भी हैं, जो मर्सिडीज–बेंज के लगातार बढ़ते इलेक्ट्रिक व्हीकल पोर्टफोलियो को सपोर्ट करेंगे। ग्राहकों की सुविधा के लिए यहां 60 मिनट में प्रीमियर एक्सप्रेस सर्विस, एन्1 दिनों में फास्ट लेन बॉडी और पेंट डिलीवरी तथा ऑनलाइन सर्विस अपॉइंटमेंट बुकिंग की सुविधा भी उपलब्ध है। यह उद्घाटन मर्सिडीज–बेंज इंडिया की श्गो टू कस्टमरश रणनीति का हिस्सा है। कंपनी वर्ष 2026 के दौरान उभरते बाजारों और प्रमुख महानगरों में 20 से अधिक विश्वस्तरीय लग्जरी आउटलेट्स शुरू करने की योजना पर काम कर रही है। इसके लिए अगले दो वर्षों में उसके फ्रेंचाइजी पार्टनर 450 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेंगे।

रामपुर डीएम से मिला सपा सांसदो का डेलिगेशन, सांसद हरेंद्र मलिक ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर साधा निशाना’

रामपुर ध्उत्तर प्रदेशध रामपुर में मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी की 38 इमारत को बचाने को लेकर सपा सांसदों का डेलिगेशन रामपुर डीएम अजय कुमार द्विवेदी से मिला। सांसद हरेंद्र मलिक ने यूनिवर्सिटी को दिए गए नोटिस को इलीगल बताया है वहीं उन्होंने चोटिला अंदाज में कहां की बहुत देर कर दी हुजूर आते आते... वही सांसद इकरा हसन ने भी नोटिस को गलत बताया है। वीओ–1रू समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खान का ड्रीम प्रोजेक्ट कहे जाने वाली मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के बिना नक्शा पास 38 भवनो को डिमोलिश किए जाने को लेकर रामपुर विकास प्राधिकरण की ओर से नोटिस दिया गया है। इस यूनिवर्सिटी में काफी खूबसूरत इमारतें मौजूद हैं। जिनको देखने के बाद एक अलग एहसास की अनुभूति होती है लेकिन अब इन इमारतो के जमींदोज होने की अंतिम तारीख की ओर धीरे–धीरे वक्त बढ़ रहा है। इस यूनिवर्सिटी में मौजूद 38 इमारतों को बचाने के लिए समाजवादी पार्टी की जद्दोजहद जारी है। आजम खान बीते 17 नवंबर से रामपुर के जिला जेल में बंद है उनकी इस यूनिवर्सिटी की नीव तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की मौजूदगी में वर्ष 2006 में रखी थी। बिना नक्शा पास 38 इमारत को डिमोलिश करने की कार्रवाई के विरोध में छात्र 8 दिन से यूनिवर्सिटी गेट पर धरना दिए हुए हैं, वहीं उनकी मांग है कि इसके ध्वस्तीकरण के आदेश को सरकार वापस ले। अब इसी कड़ी में सपा के लगभग 10 सांसदों व दो अन्य नेताओं सहित कल 12 लोगों के

डेलिगेशन ने डीएम अजय कुमार द्विवेदी से मुलाकात की है और नोटिस को इन लीगल बताया है।वीओ–2रू सांसद हरेंद्र मलिक ने जहां डिमोलिश की कार्रवाई को लिए गए नोटिस पर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है वही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के स्थिति पर शायराना अंदाज में तंज कसा है। कुछ इसी तरह मुजफ्फरनगर के कैराना से सपा सांसद इकरा हसन ने भी मीडिया से रूबरू होकर डिमोलिश की कार्यवाही को लेकर दिए गए नोटिस को गलत बताया और भाजपा पर जमकर निशाना साधा है।बाइट– हरेंद्र मलिक (सपा सांसद)बाइट– इकरा हसन (सपा सांसद) विजुअल्स–

संभव अभियान के सूचकांको पर होना चाहिए शत प्रतिशत प्रगति : सीडीओ

सैम बच्चों की ई कवच ऐप पर प्रविष्टि में क्षम्य नहीं लापरवाही

चित्रकूट। सीडीओ डीपी पाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक हुई। जिसमें आईसीडीएस, स्वास्थ्य एवं अन्य संबंधित विभागों द्वारा संचालित पोषण एवं मातृ शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि संभव अभियान के अंतर्गत निर्धारित सभी इंडिकेटर्स पर शत प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित की जाए तथा जनपद को प्रदेश में अग्रणी स्थान दिलाने के उद्देश्य से सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करें। उन्होंने कहा कि आईसीडीएस एवं स्वास्थ्य विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सभी पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी सूचनाओं का समयबद्ध एवं शत प्रतिशत अद्यतन सुनिश्चित करें। जिन आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों द्वारा निर्धारित दायित्वों का निर्वहन नहीं किया जाएगा। उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए मानदेय रोकने की कार्यवाही की जाएगी। बैठक में निर्देशित किया गया कि सभी पात्र लाभार्थियों को शत प्रतिशत पूरक पुष्टाहार उपलब्ध कराया जाए। आंगनवाडी केंद्रों का नियमित संचालन, सीबीईवी एवं वीएचएसएनडी गतिविधियों की शत प्रतिशत ऑनलाइन फीडिंग सुनिश्चित की जाए तथा ग्राम पंचायतों के सहयोग से आंगनवाडी केंद्रों पर टाइल्स, रंगाई–पुताई एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास कराते हुए उनकी अद्यतन सूचना उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि ई–कवच पोर्टल पर सभी पात्र लाभार्थियों की समयबद्ध फीडिंग सुनिश्चित की जाए। फीडिंग का अद्यतन स्टेटस 27 जुलाई को प्रस्तुत किया जाए। निर्माणाधीन आंगनवाडी केंद्रों की प्रगति की समीक्षा के दौरान कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कार्य समय से पूर्ण न किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि आगामी सप्ताह में उत्तर प्रदेश परियोजना निगम, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग तथा सीएनडीएस के अधिशाषी अभियंताओं की बैठक आयोजित की जाए। चित्रकूट विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा आंगनवाडी केंद्रों पर पेयजल आपूर्ति एवं पोषण वाटिकाओं के अनुरक्षण में अपेक्षित प्रगति न होने पर मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्टीकरण तलब किया। इस पर प्राधिकरण के अधिकारियों ने अवगत कराया कि इस संबंध में विस्तृत प्रगति आख्या सात दिवस के भीतर जिला कार्यक्रम अधिकारी को उपलब्ध करा दी जाएगी। बैठक में संबंधित अधिकारी, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुठभेड़ में दुष्कर्म आरोपी घायल, आरक्षी को भी लगी गोली

-देवांगना घाटी किया गैंगरेप, 50 हजार घोषित था इनाम

चित्रकूट। दोस्त के साथ गई युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी व एक सिपाही घायल हो गए। जिन्हे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

गैंगरेप की घटना 22 जुलाई को बहिलपुरवा थाना क्षेत्र के देवांगना घाटी पर हुई थी। बताया गया कि ब्वायफ्रेंड के साथ युवती बाइक से घूमने गए थे। जहां पीछा करते हुए तीन युवक ब्वायफ्रेंड को बंधक बनाकर युवती के साथ दुष्कर्म किया। एसपी एके सिंह ने आरोपियों की गिरतारी को टीमें गठित की। डीआईजी ने भी घटना स्थल का निरीक्षण कर आरोपियों की गिरतार के लिए 50–50 हजार रुपए इनाम घोषित किया था। थाना बहिलपुरवा में पंजी.त गैंगरेप के मुकदमे के खुलासे को पुलिस टीमे लगातार सुरागरसी, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण एवं संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही थी। जिसमें एक इनामिया जितेन्द्र उर्फ भोले पुत्र देवराज निवासी कल्ला शिवरामपुर को पुलिस मुठभेड़ में गिरतार कर लिया गया है। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से आरोपी घायल हो गया। जबकि बहिलपुरवा थाने में तैनात आरक्षी को भी गोली लगी। पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। एसपी ने बताया कि प्रकरण में वांछित 50–50 हजार के दो अन्य इनामिया विवेक कुमार पटेल एवं प्रवीण पटेल की गिरतारी को पुलिस टीमों द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है।

सीडीओ ने भरतकूप मंदिर की देखी व्यवस्थाएं

चित्रकूट। आगामी पर्वों की तैयारियों के .ष्टिगत मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल ने भरतकूप मंदिर का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा मंदिर परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। मंदिर परिसर में लगे पेड़ों की समयबद्ध छंटाई कराए जाने के निर्देश दिए। जिससे परिसर की सुंदरता एवं सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। मंदिर परिसर के समीप स्थित शौचालयों का निरीक्षण करते हुए पाया गया कि वहां पानी की समुचित व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। इस पर तत्काल जलापूर्ति के लिए आवश्यक कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। साथ ही महिला एवं पुरुष शौचालयों के क्षतिग्रस्त दरवाजों को शीघ्र बदलवाने के भी निर्देश दिए। उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मंदिर परिसर में कराए गए विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। मंदिर के प्रथम प्रवेश मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही को ध्यान में रखते हुए इंटरलॉकिंग कार्य कराए जाने के निर्देश दिए गए। साथ ही मंदिर को जोडने वाले मुख्य मार्ग की मरम्मत एवं सु. ढ़ीकरण के लिए लोक निर्माण विभाग को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित की जाएं।

छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नोडल अधिकारियों एवं प्रधानाचार्यों की कार्यशाला आयोजित

आजमगढ़ (आर एन एस)जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में शिब्ली नेशनल इण्टर कालेज आजमगढ़ में कक्षा 9–10 एवं कक्षा 11–12 के समस्त शिक्षण संस्थानों के छात्रवृत्ति नोडल अधिकारियों एवं प्रधानाचार्यों की कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य वित्तीय वर्षध्शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं का समयबद्ध एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना रहा।बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला विद्यालय निरीक्षक अजय कुमार ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप कोई भी पात्र छात्र–छात्रा छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने सभी प्रधानाचार्यों एवं नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ संपन्न कराएं तथा प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक योजना की जानकारी पहुंचाकर अधिकतम आवेदन सुनिश्चित करें।बैठक में अवगत कराया गया कि पूर्वदशम छात्रवृत्ति कक्षा 9–10 एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति एवं कक्षा 11–12 योजनाओं के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजातिध्अन्य पिछड़ा वर्गध्सामान्य वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के पात्र छात्रध्छात्राओं को शासन द्वारा निधारित समय–सारिणी के अनुसार छात्रवृत्ति शैक्षणिक भत्ताध्एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ प्रदान किया जाएगा।जिला समाज कल्याण अधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह द्वारा निर्देश दिये कि 23 जुलाई 2026 से 09 अगस्त 2026 तक छात्रवृत्ति पोर्टल पर प्रत्येक विद्यालय अपनी प्रोफाइल का लॉकध्अपडेट कार्य अनिवार्य रूप से पूर्ण कराए तथा पात्र छात्र–छात्राओं के आवेदन समयबद्ध रूप से भरवाकर उनका सत्यापन भी निर्धारित अवधि में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आवेदन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की त्रुटि या विलंब के लिए संबंधित संस्था एवं नोडल अधिकारी उत्तरदायी होंगे।जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने सभी विद्यालयों से अपेक्षा किया कि छात्रवृत्ति योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए, जिससे कोई भी पात्र विद्यार्थी जानकारी के अभाव में आवेदन से वंचित न रह जाए। साथ ही आवेदन पत्रों एवं अभिलेखों का सावधानीपूर्वक परीक्षण करते हुए शत–प्रतिशत पात्र छात्रों को योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए।जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी वर्षा अग्रवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि छात्रों द्वारा आवेदन की हार्ड कॉपी नहीं उपलब्ध कराने पर आवेदन निरस्त कर दिया जाए, किसी भी स्थिति में संस्था स्तर पर आवेदन लम्बित न रखे जाएं।बैठक में समस्त शिक्षण संस्थानों के छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी एवं प्रधानाचार्य आदि उपस्थित रहे।

रेवेन्यू कोर्ट के लंबित मामलों के निस्तारण के लिए एसडीएम नेहा मिश्रा की नई पहल, गांव-गांव पहुंचकर कर रहीं स्पाट इंस्पेक्शन

आजमगढ़ (आर एन एस)तहसील लालगंज में रेवेन्यू कोर्ट के लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए उपजिलाधिकारी (एसडीएम) नेहा मिश्रा ने एक सराहनीय पहल शुरू की है। इसी क्रम में उन्होंने स्थूलपुर, ब्यवहरा, रेवरा, मिर्जा आदमपुर सहित विभिन्न गांवों का दौरा कर भूमि विवादों का मौके पर निरीक्षण किया।स्पॉट इंस्पेक्शन के दौरान एसडीएम ने दोनों पक्षों को मौके पर बुलाकर उनकी बातें सुनीं और आपसी सहमति व राजस्व अभिलेखों के आधार पर बंटवारा एवं पैमाइश से जुड़े कई मामलों का निस्तारण कराया। लंबे समय से रेवेन्यू कोर्ट में लंबित मामलों को गांव में ही सुलझाने की इस पहल की क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है।एसडीएम नेहा मिश्रा ने बताया कि जिन मामलों का समाधान मौके पर पहुंचकर किया जा सकता है, उन्हें अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहने दिया जाएगा। प्रशासन का प्रयास है कि लोगों को समय पर न्याय मिले और उन्हें बार–बार तहसील के चक्कर न लगाने पड़ें।एसडीएम नेहा मिश्रा ने कहा किष्मारा प्रयास है कि रेवेन्यू कोर्ट में लंबे समय से लंबित मामलों का यथाशीघ्र निस्तारण किया जाए।

विद्यालय के समीप से हटवाएं तंबाकू एवं गुटखा की दुकानें : डीएम

यातायात सुरक्षा एवं कमांड कन्ट्रोल सेन्टर का किया औचक निरीक्षण

40 कैमरे परिक्रमा मार्ग व रामघट में लगवाकर सीधे कनेक्ट करने के दिए निर्देश

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने शनिवार को धनुष चौराहा के निकट स्थित परिषदीय विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने तंबाकू, गुटखा एवं अन्य धूम्रपान संबंधी सामग्री की दुकानें संचालित होती पाई गई। इस पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को तत्काल प्रभाव से दुकानों को विद्यालय के समीप से हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यालय के सौ मीटर के दायरे में तंबाकू, गुटखा एवं धूम्रपान संबंधी सामग्री का विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित है तथा इसका कड़ाई से पालन कराया जाना आवश्यक है। संबंधित दुकानदारों को कड़ी चेतावनी देते हुए निर्देशित किया कि वे तत्काल प्रतिबंधित सामग्री को विद्यालय के आसपास से हटा लें। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में विद्यालय के निर्धारित प्रतिबंधित क्षेत्र में तंबाकू, गुटखा अथवा अन्य धूम्रपान सामग्री का विक्रय पाया जाता है तो संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। डीएम ने धनुष चौराहे पर स्थापित यातायात सुरक्षा एवं कमांड कन्ट्रोल सेन्टर का आकस्मिक निरीक्षण किया। बताया गया कि कन्ट्रोल रूम में वर्तमान में 13 जगहों पर 55 कैमरे प्रदर्शित हो रहे हैं। इसमें सभी मुख्य चौराहे धनुष चौराहा, पटेल तिराहा, खोह तिराहा, शिवरामपुर, मानिकपुर इस प्रकार ऐसे 13 जगहें चिन्हित हैं। जहां पर वर्तमान में कैमरे प्रदर्शित हो रहे हैं और यहां पर 24 घण्टे इसकी निगरानी की जा रही है। कई प्रकार के घटनाओं में भी खुलासा करने में काफी मददगार साबित हो रहा है। डीएम ने सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित किया कि परिक्रमा मार्ग व रामघाट पर 40 नये कैमरे लगाये जायें। कहा कि सीसीटीवी के लिए अच्छे लोकल ऑपरेटर्स पहचान करें, क्योंकि यहां पर बन्दर आदि की काफी समस्या है।

सीओ रेलवे ने थाना जीआरपी कर्वी का किया निरीक्षण

-सैनिक सम्मेलन कर सुनी समस्याएं

चित्रकूट। पुलिस उपाधीक्षक रेलवे अनुभाग झाँसी द्वारा थाना जीआरपी कर्वी का अर्द्ध वार्षिक निरीक्षण कर दिशा निर्देश दिए। शुक्रवार को अनुभाग झांसी के थाना जीआरपी कर्वी का पुलिस उपाधीक्षक रेलवे सलीम खान ने अर्द्ध वार्षिक निरीक्षण किया। दौराने निरीक्षण पुलिस उपाधीक्षक रेलवे द्वारा थानाध्यक्ष जीआरपी शालिनी सिंह भदौरिया के साथ थाना स्थानीय की सरकारी सम्पत्ति, अभिलेखों आदि को बारिकी से चेक किया गया। थाना कार्यालय भवन, आवास, बैरक, भोजनालय आदि को बरसात के मौसम को .ष्टिगत रखते हुए साफ सफाई करने हेतु मुख्य रूप से अवगत कराया गया। तत्पश्चात थाना पर मौजूद समस्त अधि0–कर्म0गण के साथ सैनिक सम्मेलन किया गया, जिसमें प्रत्येक से उनकी व्यक्तिगत समस्याओं, ड्यूटी के दौरान आने वाली किसी भी समस्या के विषय में जानकारी की गयी। साथ ही उच्चाधिकारीगण द्वारा निर्गत आदेश निर्देशों का अनुपालन ड्यूटी के दौरान कैसे किया जाए, इसके विषय में भी विस्तृत रूप से सभी को अवगत कराया गया। निरीक्षण के दौरान थानाध्यक्ष शालिनी सिंह भदौरिया थाना जीआरपी कर्वी, उ0नि0 सतीश कुमार, हे0का0 राहुल कुमार, बन्टू सिंह, विक्रम सिंह, का0 आशीष कुमार सरोज, म0का0 तनु सिंह, .ष्णा गौतम आदि मौजूद रहे।

स्वयं सहायता समूहों से अधिकाधिक महिलाओं को जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए समूह सखियों का प्रशिक्षण आयोजित-जिलाधिकारी

आजमगढ़, (आर एन एस)जनपद में अधिक से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी रविंद्र कुमार के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में तैनात समूह सखियों का उन्मुखीकरणध्प्रशिक्षण शिविर हरिऔध कला केंद्र, आजमगढ़ में आयोजित किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता उपायुक्त स्वतः रोजगार, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन डॉ. आराधना त्रिपाठी ने की।कार्यशाला में विकास खंड अहिरौला, अतरौलिया, हरैया, लालगंज, मार्टिनगंज एवं मेहनगर की समूह सखियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रशिक्षण के दौरान शासन की महत्वपूर्ण योजना के अंतर्गत पात्र गृहस्थी एवं अंत्योदय राशन कार्डधारक परिवारों की महिलाओं को अधिकाधिक संख्या में स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने के संबंध में समूह सखियों को आवश्यक दिशा–निर्देश एवं विस्तृत जानकारी प्रदान की गई प्रशिक्षण में लोकोस ऐप के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विकसित इस विशेष मोबाइल एप्लीकेशन का मुख्य उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों, ग्राम संगठनों एवं संकुल स्तरीय संघों से संबंधित डेटा को डिजिटलीकरण करना है। इसके साथ ही स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं नए सदस्यों को समूह से जोड़ने की प्रक्रिया के तहत ई–केवाईसी सत्यापन, फेस ऑथेंटिकेशन तथा आधार ओटीपी सत्यापन की प्रक्रिया के बारे में समूह सखियों को व्यावहारिक एवं विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।उपायुक्त स्वतः रोजगार डॉ. आराधना त्रिपाठी ने कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने समूह सखियों को निर्देशित किया कि पात्र महिलाओं को अधिक से अधिक संख्या में स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने के लिए गांव–गांव जाकर प्रभावी प्रयास करें। उन्होंने प्रत्येक समूह सखी को प्रतिदिन कम से कम एक स्वयं सहायता समूह के गठन का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जनपद के 17 विकास खंडों के समूह सखियों का अब तक उन्मुखीकरण किया जा चुका है। प्रशिक्षण एवं उन्मुखीकरण के माध्यम से समूह सखियों की कार्यक्षमता बढ़ाते हुए स्वयं सहायता समूहों के विस्तार को गति दी जा रही है, जिससे अधिक से अधिक ग्रामीण महिलाएं संगठित होकर आजीविका के विभिन्न साधनों से जुड़ सकें।जिलाधिकारी रविंद्र कुमार राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इससे न केवल महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत हो रही है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हजारों महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर उद्यमशीलता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं और अपने परिवार के साथ–साथ समाज एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।प्रदेश सरकार नारी शक्ति को विकसित उत्तर प्रदेश की धुरी मानते हुए महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक एवं समग्र सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का यह अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण को नई गति प्रदान कर रहा है।

अखिलेश यादव, दिवंगत विधायक को श्रद्धांजलि, सरकार पर बोला हमला

आजमगढ़ (आर एन एस) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शनिवार को आजमगढ़ पहुंचे। उन्होंने शहर के कुर्मी टोला स्थित दिवंगत सपा विधायक आलम बदी आजमी के आवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं के परिवारों के साथ हर सुख–दुख में खड़ी रहती है और आगे भी पूरा सहयोग करती रहेगी। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव ने हाल के राजनीतिक घटनाक्रम और धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे पर कहा कि यह इंजन जीश की बड़ी जीत है और डरी हुई सरकार आखिरकार झुक गई है। अब उसके जाने का वक्त आ गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं के संघर्ष और एकजुटता के कारण सरकार को अपना रुख बदलना पड़ा। उनके अनुसार यदि सरकार को निर्णय बदलना ही था तो पहले ही छात्रों से संवाद स्थापित करना चाहिए था, जिससे अनावश्यक तनाव और आंदोलन

की स्थिति पैदा नहीं होती। उन्होंने कहा कि पेपर लीक जैसे मामलों ने लाखों युवाओं के भविष्य को प्रभावित किया है। केवल एक निर्णय लेने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि भर्ती और परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, जवाबदेह और भरोसेमंद बनाना होगा ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई का उल्लेख करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले युवाओं के साथ है। उन्होंने छात्रों पर बल प्रयोग को अनुचित बताते हुए कहा कि संवाद और संवेदनशीलता से ऐसे मामलों का समाधान होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि युवाओं के अधिकारों, रोजगार और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था की मांग उठाना राजनीति है, ।

छत से गिरने पर बुजुर्ग की मौत

चित्रकूट। राजापुर थाना क्षेत्र रायपुर बांगर गांव में शनिवार की सुबह सो कर उठे ग्रामीण का पैर फिसला तो लगभग 15 फीट नीचे गिरकर लहूलुहान हो गया। परिजन उसे लेकर सीएचसी पहुंचे तो प्राथमिक इलाज के बाद डाक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। रायपुर बांगर गांव निवासी मोहित कुमार ने बताया कि उसके पिता रामरूप (60) शुक्रवार को प्रतिदिन की तरह खाना खाकर छत वाले कमरे में सोने के लिए गए। छत पर रेलिंग नहीं है। शनिवार की सुबह सोकर उठे और जैसे ही कमरे से बाहर आए तो उनका पैर मुड़ गया और संतुलन बिगड़ने से वह गिरे। छत में रेलिंग न होने से वह नीचे गिर गए। नीचे मौजूद परिजनो ने देखा तो सभी दौड़कर पहुंचे और उन्हें सीएचसी लाए। उनके सिर पर गंभीर चोट आई थी। प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल लाए यहां पर उनकी मौत हो गई। घटना के बाद उनकी पत्नी चंद्रवती और दो पुत्रों का रो–रोकर बुरा हाल रहा।

सिक्योरिटी गार्ड की सर्पदंश से मौत

चित्रकूट। बेडीपुलिया में चौराहे के सौंदर्यीकरण के कार्य की निगरानी कर रहे सिक्योरिटी गार्ड को सर्प ने डस लिया। जानकारी मिलने पर पहुंचे परिजन ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

कर्वी कोतवाली क्षेत्र के बेडीपुलिया चौराहे का सौंदर्यीकरण पर्यटन विभाग द्वारा कराया जा रहा है। यहां पर भंभई शिवरामपुर निवासी अखिलेश कुमार यादव (32) सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्यरत थे। उनके भाई संतोष कुमार यादव ने बताया कि अखिलेश नाइट ड्यूटी करते थे और उनका काम निर्माण सामग्री की देखरेख करना था। शुक्रवार की रात को वह ड्यूटी पर थे और चौराहे के किनारे निर्माण स्थल के एक तरफ बैठे थे। इसी बीच उन्हें सर्प ने डस लिया। कुछ देर बाद उन्होंने फोन पर अपनी पत्नी अर्चना को इस घटना की जानकारी दी। मौके पर परिजन पहुंचे और उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सदर विधायक अनिल प्रधान ने मृतक के परिजनो को ढाढस बंधाया है।

स्कार्पियो से टकराए बाइक सवार की गई जान

चित्रकूट। मुख्यालय से पहाड़ी मुख्य मार्ग पर शुक्रवार की रात लगभग नौ बजे चकला गांव के मोड़ पर आमने सामने से स्कार्पियो बाइक की टक्कर हो गई। इसमें बाइक सवार की मौत हो गई।

पहाड़ी थाना क्षेत्र के अशोह गांव निवासी रामभिलन यादव ने बताया कि उसका भाई कामता यादव (40) शुक्रवार की शाम को घरेलू सामग्री खरीदने के लिए मुख्यालय गया था। रात लगभग नौ बजे बाइक से वापसी के दौरान जैसे ही सदर कोतवाली क्षेत्र के चकला मोड़ पर पहुंचा तो सामने से तेज गति से आई रही स्कार्पियो की हेडलाइट से उसका कुछ संतुलन बिगड़ा। जब तक संभलता तबतक स्कार्पियो ने बाइक पर टक्कर मार दी। घटना स्थल देखने पर लगता है कि स्कार्पियो ने गलत साइड आकर टक्कर मारी। टक्कर से वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पीआरबी 112 और कोतवाली पुलिस टीम ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शनिवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंपा। उसके मौत की खबर मिलते ही स्वजन बेहाल हो गए। वह खेती किसानी कर परिवार का भरण पोषण करता था।

शराब के लती युवक ने फांसी लगा की खुदकुशी

चित्रकूट। अज्ञात कारणों से व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है।

ये मामला भरतकूप थाना अंतर्गत सुदिनपुर गांव में बीती रात हुआ। बताया गया कि राजू (40) पुत्र बिंदा प्रसाद के श्री राम पब्लिक स्कूल की बस चलता था जो रोजाना की भांति बस चला कर शाम को घर आया। वह शराब पीने का आदी था। शराब पीने की वजह से आए दिन घर में उसकी कहासुनी होती थी। शाम को भी राजू शराब पीकर घर आया और घर में खाना खाने के बाद अपने कमरे में जाकर लेट गया। परिजन घर में ही बाहर बैठे थे। तभी सूना माहौल पाकर राजू कमरे में गमछे का फंदा डालकर फांसी पर लटक गया। जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं कुछ देर बाद परिजन जब कमरे के अंदर पहुंचे तो राजू फांसी पर लटका था। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

आंगनबाड़ी केन्द्र का आयोग सदस्य ने किया निरीक्षण

–गर्भवती महिलाओं की गोद भराई व बच्चों को कराया अन्न प्रासन

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा ने आंगनबाड़ी केंद्र गढ़ीवा के संचालन की समीक्षा की और दो गर्भवती महिलाओं की गोद भराई व बच्चों का अन्न प्राशन कराया। महिलाओं को अपने बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र में भेजने के लिए प्रेरित किया। महिलाओं व किशोरियों को आगे की अधूरी शिक्षा पूरी करने के लिए सलाह दी। कार्यक्रम में पीडी विश्वकर्मा, सीडीपीओ, प्रगति गुप्ता, जिला परिवीक्षा अधिकारी, साक्षी, सुशीला श्रीवास्तव मुख्य सेविका व अन्य विभागीय कर्मचारी व ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

लोढ़वारा कालोनी के बहुरेगें दिन, डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

-कालोनी में व्याप्त अव्यवस्थाओं को तत्काल दुरुस्त कराने के दिए निर्देश

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग व एसपी अरुण कुमार सिंह ने कांशीराम शहरी गरीब आवास योजनान्तर्गत लोढवारा में निर्मित एक हजार आवासो का निरीक्षण किया। इस दौरान कालोनी में भ्रमण कर आवासो को देखा। कालोनी का ले–आउट, परिसर में बाउण्ड्रीवाल नही थी। उन्होंने कालोनी परिसर में बाउण्ड्रीवाल, जर्जर नालियां एवं टूटी सडकों के निर्माण कार्य के लिए मुख्यमंत्री नगरोदय योजनान्तर्गत कार्य योजना में सम्मिलित कर शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिये गये। कालोनी में निवास कर रहे व्यक्तियों द्वारा अवगत कराया गया कि परिसर की नालियां एवं सेप्टिक टैंक भरे हुये हैं। जिन्हे साफ कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है। डीएम ने अधिशासी अधिकारी को सात दिवसों में सेप्टिक टैंकों की सफाई एवं जिन सेप्टिक टैंकों के ढक्कन टूटे हुये हैं उन्हे तत्काल सही कराये जाने एवं नालियों की सफाई के निर्देश दिए। कालोनी में निवास कर रहे व्यक्तियों को जागरुक किया कि कालोनी परिसर में साफ सफाई का स्वयं से भी ध्यान दें। निरीक्षण के दौरान पाया गया है कि जिन व्यक्तियों के नाम आवास आवंटित है वह स्वयं न रहकर दूसरे व्यक्तियों को रहने के लिए दे रखा है। ब्लॉक नम्बर 34 आवास संख्या 393 में भूसा भरा हुआ पाया गया। जिसे तत्काल खाली कराये जाने के निर्देश दिए। ब्लॉक नम्बर 38 आवास नम्बर 442 जो संवरिया पत्नी इन्द्रपाल पता बल्दाऊगंज के नाम आवंटित है,।

फाइनल में चमकीं पीवी सिंधु, अकाने यामागुची को हराकर रचा इतिहास

टोक्यो । पूर्व वर्ल्ड चौंपियन और दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट शटलर पीवी सिंधु ने रविवार को जापान ओपन सुपर 750 के खिताब को अपने नाम किया। दो साल में यह सिंधु का पहला बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब है।
पीवी सिंधु ने फाइनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी जानी–पहचानी प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी अकाने यामागुची को शिकस्त दी। सिंधु ने टोक्यो मेट्रोपॉलिटन जिम्नेजियम में चार बार की चौंपियन यामागुची को 21–17, 21–17 से हराया। इसके साथ ही, सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं।
यह पूर्व वर्ल्ड चौंपियन का दिसंबर 2024 में सैयद मोदी टूर्नामेंट जीतने के बाद पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। इसके साथ ही, इस जीत के साथ ही सिंधु का सुपर 750 या उससे ऊपर का खिताब जीतने का सात साल का इंतजार भी खत्म हो गया। सिंधु को शानदार प्रदर्शन के साथ–साथ किस्मत का भी साथ मिला। प्री–क्वार्टर फाइनल में सिंधु ने वर्ल्ड नंबर 5 हान यू को हराया, तो क्वार्टर फाइनल और फिर सेमीफाइनल में उनकी विपक्षी खिलाड़ी चोटिल होने की वजह से मैच से हट गईं।

सिंधु ने फाइनल मुकाबले की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की। उन्होंने लगातार शुरुआती दो प्वाइंट हासिल किए और तीसरे प्वाइंट के लिए सफल चौलेंज लेकर 3–0 की बढ़त बना ली। हालांकि, जापान की अकाने यामागुची ने जल्द ही बेहतरीन वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद सिंधु ने यामागुची की कुछ गलतियों का फायदा उठाया और 9–7 की बढ़त बनाई, लेकिन यामागुची ने दबाव में बेहतरीन खेल दिखाया और लगातार चार प्वाइंट जीतकर मुकाबले का रुख बदल दिया। मिड–गेम इंटरवल तक उन्होंने बढ़त हासिल कर ली।
खेल दोबारा शुरू होने के बाद सिंधु का अंदाज बिल्कुल अलग नजर आया। वह अपने अटैक में कहीं ज्यादा आक्रामक दिखीं। उन्होंने यामागुची को बैकफुट पर धकेला और अपनी बढ़त को 16–12 तक पहुंचाया। दोनों खिलाड़ियों में से कोई भी हार मानने को तैयार नहीं था और स्कोर 17–17 पर बराबर हो गया। हालांकि, भारतीय स्टार ने इसके बाद लगातार चार प्वाइंट हासिल करते हुए पहला गेम 21–17 से अपने नाम कर लिया। सिंधु ने दूसरे गेम की शुरुआत भी शानदार ढंग से की। उन्होंने पहले 6–3 की बढ़त बनाई और फिर इस बढ़त को बढ़ाकर 8–3 कर दिया। जापानी शटलर ने लगातार चार प्वाइंट जीतकर सिंध‍ु की रफ्तार को कुछ देर के लिए रोका, लेकिन आखिर में भारतीय खिलाड़ी 11–7 की बढ़त के साथ मिड–गेम ब्रेक में पहुंची। ब्रेक के बाद पूर्व वर्ल्ड चौंपियन यामागुची थोड़ी दबाव में नजर आईं। सिंधु ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए तेज खेल दिखाया और जल्द ही 14–7 की मजबूत बढ़त बना ली। इसके बाद भी उन्होंने अपनी लय बरकरार रखी और 16–12 के स्कोर के साथ मुकाबले में अपनी बढ़त कायम रखी। यामागुची ने पांच प्वाइंट जीतकर वापसी की कोशिश की और अंतर को कम करके 18–17 कर दिया। हालांकि, सिंधु ने तेजी से तीन मैच प्वाइंट के मौके बनाए और 21–17 से गेम को अपने नाम करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया।

ट्रॉफी के साथ पहली बार मिलेगी चौंपियनशिप रिंग मेसी रचेंगे इतिहास या स्पेन का खत्म होगा सूखा? जानें कब और कहां देखें फाइनल

नई दिल्ली फीफा वर्ल्ड कप 2026 का बहुप्रतीक्षित खिताबी मुकाबला आज यानी रविवार, 19 जुलाई को स्पेन और अर्जेंटीना के बीच खेला जाएगा। यह महामुकाबला सिर्फ एक ट्रॉफी जीतने की जंग नहीं है, बल्कि फुटबॉल के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने का अवसर है। एक तरफ लियोनेल मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार चौंपियन बनकर 64 साल पुराने ब्राजील के रिकॉर्ड की बराबरी करना चाहेगी, तो दूसरी तरफ 16 साल से खिताब का इंतजार कर रही स्पेन की टीम इस लंबे सूखे को खत्म करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। इस बार का फाइनल कई मायनों में ऐतिहासिक होने वाला है, जिसमें विजेता टीम को मिलने वाला एक बेहद खास और नया इनाम भी शामिल है।
पहली बार विश्व चौंपियंस को मिलेगी खास अंगूठीइस खिताबी भिड़ंत में जीतने वाली टीम को सिर्फ विश्व कप की चमचमाती ट्रॉफी और स्वर्ण पदक ही नहीं मिलेंगे, बल्कि फुटबॉल के इतिहास में पहली बार श्चौंपियनशिप रिंगग्र (अंगूठी) से भी नवाजा जाएगा। चूंकि इस बार का फाइनल मुकाबला अमेरिका में हो रहा है, इसलिए फीफा ने वहां के स्थानीय खेलों की 19वीं सदी से चली आ रही पुरानी परंपरा को अपनाते हुए यह ऐतिहासिक फैसला लिया है। खिताबी जीत के तुरंत बाद विजेता टीम के कप्तान और मुख्य कोच को यह प्रतीकात्मक अंगूठी पहनाई जाएगी। इसके बाद पूरी टीम के लिए खास तौर पर 30 कस्टमाइज्ड अंगूठियां तैयार की जाएंगी, जिनके एक तरफ वर्ल्ड कप ट्रॉफी और दूसरी तरफ टीम की पहचान से जुड़ा खास डिजाइन उकेरा जाएगा।आम फैंस भी खरीद सकेंगे 2026 की यह निशानीफीफा ने इस साल को हमेशा के लिए यादगार बनाने के मकसद से कुल 2,026 अंगूठियां तैयार करने का फैसला किया है। इनमें से 30 अंगूठियां चौंपियन टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ को दी जाएंगी, जबकि बाकी बची 1,996 अंगूठियों को आम लोगों और फुटबॉल फैंस के लिए बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। हर अंगूठी पर एक अलग क्रमांक होगा और इसे पहनने वाले के नाप के अनुसार ही विशेष रूप से तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही प्रामाणिकता का एक प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा ताकि इसकी असलियत और अहमियत बरकरार रहे। हालांकि, खेल की इस सर्वोच्च संस्था ने अभी तक इन बेशकीमती अंगूठियों की कीमत का कोई आधिकारिक खुलासा नहीं किया है।भारत में कब, कहां और कैसे देखें यह महामुकाबला
भारतीय समयानुसार स्पेन और अर्जेंटीना के बीच यह हाई–वोल्टेज खिताबी मुकाबला आज देर रात 12रू30 बजे से शुरू होगा। भारत में बैठे करोड़ों फुटबॉल फैंस इस ऐतिहासिक महामुकाबले का सीधा प्रसारण दूरदर्शन स्पोर्ट्स (डीडी स्पोर्ट्स) पर बिल्कुल मुफ्त में देख सकते हैं। इसके अलावा जो फैंस डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मैच का लुत्फ उठाना चाहते हैं, वे श्र्वश्व5 ऐप पर इस रोमांचक फाइनल की लाइव स्ट्रीमिंग देख सकते हैं। टीवी दर्शकों के लिए चौनल जियो फाइबर पर मुफ्त में उपलब्ध कराया गया है,

लार्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर विराट कोहली का विराट मौका, इस मामले में बनेंगे दुनिया के किंग!

नई दिल्ली ,। भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला रविवार को लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जाना है। इस मैच में विराट कोहली के पास वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज विव रिचर्ड्स को खास मामले में पीछे छोड़ने का सुनहरा मौका होगा। दरअसल, इंग्लैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने के मामले में विराट कोहली संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। कोहली और विव रिचर्ड्स ने इंग्लिश टीम के खिलाफ 14 अर्धशतक लगाए हैं। विराट दूसरे वनडे में विव रिचर्ड्स की पहले ही बराबरी कर चुके हैं। हालांकि, तीसरे वनडे में उनके पास वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज को पीछे छोड़ने का सुनहरा मौका होगा। कोहली अगर तीसरे वनडे में अर्धशतक लगाने में सफल रहते हैं, तो वो श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज कुमार संगकारा की बराबरी भी कर लेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ 50 ओवर के फॉर्मेट में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने के मामले में संगकारा पहले स्थान पर काबिज हैं। उन्होंने इंग्लिश गेंदबाजी अटैक के खिलाफ 15 अर्धशतक लगाए हैं।इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में विराट कोहली अच्छी लय में दिखाई दिए थे। कोहली ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 66 गेंदों में 65 रनों की दमदार पारी खेली थी। अपनी इस पारी में विराट ने 8 चौके लगाए थे। कोहली ने रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर संग मिलकर अहम साझेदारी भी निभाई थी।हालांकि, दूसरे वनडे में कोहली की दमदार पारी के बावजूद भारत की पूरी टीम सिर्फ 233 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी। इसके बाद टीम के गेंदबाज 234 रनों के लक्ष्य का बचाव करने में नाकाम रहे थे और इंग्लैंड ने 44.1 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया था। इंग्लिश टीम की तरफ से जो रूट ने बेहतरीन

बल्लेबाजी करते हुए 133 गेंदों में 99 रनों की नाबाद पारी खेली थी। रूट के अलावा, विल जैक्स ने 30 रनों का योगदान दिया, जबकि सैम करन ने 26 रन बनाए।

2 साल के लंबे इंतजार के बाद पीवी सिंधु का ऐतिहासिक कमबैक, पहली बार जापान ओपन जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली । भारत की स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाया है। सिंधु ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जापान ओपन सुपर–750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के खिताब पर कब्जा जमा लिया है। खिताबी मुकाबले में उन्होंने मेजबान देश की दिग्गज खिलाड़ी अकाने यामागुची को शानदार अंदाज में मात देकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज करा लिया है। इस खिताबी जीत के साथ ही पीवी सिंधु यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीतने वाली भारत की पहली महिला शटलर बन गई हैं।सीधे सेटों में मेजबान खिलाड़ी को दी करारी शिकस्तजापान ओपन के फाइनल मुकाबले में पीवी सिंधु शुरुआत से ही अपनी पुरानी आक्रामक लय में नजर आईं और उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी को मैच में वापसी करने का कोई भी मौका नहीं दिया। सिंध‍ु ने जापान की अकाने यामागुची को लगातार दो सेटों में 21–17 और 21–17 के अंतर से करारी शिकस्त दी। अपने ही घरेलू दर्शकों के सामने खेल रही यामागुची पर सिंधु का दबदबा पूरे मैच के दौरान साफ दिखाई दिया। इस ऐतिहासिक जीत ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि बड़े और दबाव वाले मुकाबलों में सिंधु का कोई सानी नहीं है।दो साल बाद लौटा सिंधु का पुराना चौंपियन अवतार यह खिताबी जीत पीवी सिंधु के करियर के लिए एक बड़ी राहत और मील का पत्थर बनकर आई है। दरअसल, करीब 2 साल के लंबे इंतजार

के बाद वह क्वड्खस्न वर्ल्ड टूर के किसी बड़े टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेलने कोर्ट पर उतरी थीं। इस खिताबी जीत से पहले उन्होंने आखिरी बार साल 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया था। इतने लंबे समय तक किसी बड़े खिताब से दूर रहने के बाद, जापान ओपन में मिली इस शानदार सफलता ने सिंधु के चौंपियन अवतार को एक बार फिर दुनिया के सामने ला दिया है ।

बंगलादेश की साख दांव पर,जिबाम्बे के खिलाफ सीरीज जीतने के लिए निर्णायक टी 20 में झोंकनी होगी पूरी ताकत

सीरीज के अंतिम टी20 मैच में बांग्लादेश की नजरें नईद राणा की फिटनेस और शोरिफुल इस्लाम के संभावित प्रवेश पर टिकी हैं, वहीं जिम्बाब्वे के ब्रैड इवांस अपने 50 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करने के ऐतिहासिक आंकड़े के करीब हैं। टॉस के बाद पहले गेंदबाजी करने के पिछले असफल ट्रेंड्स को देखते हुए यह निर्णायक मुकाबला तकनीकी कौशल के साथ–साथ मानसिक मजबूती का भी बड़ा परीक्षण होगा। करीब तीन हफ्ते पहले जब बांग्लादेश की टीम जिम्बाब्वे दौरे पर पहुंची थी, तब उसका आत्मविश्वास काफी ऊंचा था।

टीम ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज और पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जीत दर्ज की थी। हालांकि जिम्बाब्वे पहुंचने के बाद हालात तेजी से बदले और अब दोनों टीमें टी20 सीरीज के निर्णायक मुकाबले में आमने–सामने हैं।बता दें कि बांग्लादेश ने एकमात्र टेस्ट मुकाबले में हार का सामना किया था। इसके बाद एकदिवसीय सीरीज में भी जिम्बाब्वे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2–1 से जीत हासिल की। टी20 सीरीज में भी मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की थी, लेकिन बांग्लादेश ने वापसी करते हुए मुकाबले को रोमांचक बना दिया है।मौजूद जानकारी के अनुसार, पिछले मुकाबले में जिम्बाब्वे की खराब फिल्डिंग ने बांग्लादेश को बड़ा फायदा पहुंचाया था। जिम्बाब्वे के खिलाड़ियों ने कई आसान कैच छोड़े, जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। अब आखिरी मुकाबले में टीम की सबसे बड़ी चुनौती अपनी फील्डिंग में सुधार करना होगी।जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी भी चिंता का विषय बनी हुई है। पिछले दो मुकाबलों में टीम की ओर से कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका है। सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर 44 रन रहा है, जो ब्रायन बेनेट ने पहले मैच में बनाया था। वहीं दूसरे मुकाबले में मिल्टन शुंबा और सिकंदर रजा के बीच भी 44 रनों की साझेदारी हुई थी।

हालांकि टी20 क्रिकेट में छोटी लेकिन तेज पारियां अहम होती हैं, लेकिन जिम्बाब्वे को जीत के लिए किसी एक बल्लेबाज का लंबे समय तक क्रीज पर टिकना जरूरी होगा। टीम के गेंदबाजों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और 170 से 180 रन के लक्ष्य का बचाव करने की क्षमता दिखाई है।इस मुकाबले में सबसे ज्यादा नजरें सिकंदर रजा पर रहेंगी। जिम्बाब्वे के कप्तान रजा बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। पिछले मुकाबले में उन्होंने मुश्किल स्थिति में आकर 12 गेंदों में 28 रन की तेज पारी खेली थी।वहीं बांग्लादेश के रिशाद हुसैन भी अहम खिलाड़ी साबित हो सकते हैं। उन्होंने वापसी करते हुए पिछले मैच में शानदार गेंदबाजी की और चार विकेट हासिल किए। उनकी लेग स्पिन गेंदबाजी जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकती है।बांग्लादेश की टीम में तेज गेंदबाज नईद राणा की फिटनेस पर भी नजर रहेगी। पिछले मुकाबले में गेंदबाजी करते समय उन्हें परेशानी हुई थी। अगर वह खेलने के लिए फिट नहीं होते हैं तो शोरिफुल इस्लाम को मौका मिल सकता है।गौरतलब है कि इस सीरीज में टॉस जीतने वाली टीमों ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है, लेकिन दोनों मुकाबलों में उन्हें हार मिली है। ब्रैड इवांस भी इस मुकाबले में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 50 विकेट पूरे करने से सिर्फ दो विकेट दूर हैं।

इंगलैंड सीरीज हारने के बाद टीम इंडिया की चोटों पर बोले शुभमन गिल, क्या ऐसे जीतेंगे आईसीसी वर्ड कप

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने गेंदबाजों की बार–बार होने वाली चोटों पर चिंता व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों की फिटनेस का गहरा विश्लेषण किया है। इंग्लैंड सीरीज में मिली हार और टीम संयोजन के बार–बार बिगड़ने को गिल ने आगामी विश्व कप के लिए एक गंभीर बाधा बताया है। शुभमन गिल क्रिकेट न्यूज, टीम इंडिया इंजरी अपडेट और भारतीय क्रिकेट टीम फिटनेस जैसे विषयों पर यह चर्चा अत्यंत प्रासंगिक है। भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल ने 'हर दूसरे या तीसरे मैच' के बाद गेंदबाजों के चोटिल होने की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए सवाल उठाया है कि क्या वे अगले साल होने वाले विश्व कप जैसे लंबी अवधि के टूर्नामेंट को देखते हुए अपनी फिटनेस को गंभीरता से ले रहे हैं। तीन मैचों की वनडे सीरीज में भारतीय टीम इंग्लैंड से 1–2 से हार गई। रविवार को खेले गए निर्णायक तीसरे मैच में भारत को इंग्लैंड ने 27 रन से हराया। सीरीज शुरू होने से पहले ही ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और

नितीश रेड्डी चोट के कारण बाहर हो गए थे।युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को भी टी20 सीरीज के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर होना पड़ा। इससे वह वनडे सीरीज में भी नहीं खेल पाए। वाशिंगटन सुंदर दूसरे वनडे में चोटिल हो गए जबकि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दूसरे मैच में चोट लग गई और वह सीरीज के निर्णायक मैच में नहीं खेल पाए। गिल से जब पूछा गया कि क्या टीम खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर चिंतित है तो उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से। भारतीयनौसेना जानकारी अगर आप टीम पर गौर करें तो हमने जो पहली टीम घोषित की थी, उसमें से कम से कम पांच खिलाड़ी इस मैच में नहीं खेले।'' उन्होंने तीसरे मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है तो आपको अलग संयोजन आजमाना पड़ता है। अगर दो खिलाड़ी बाहर होते हैं तो फिर आपको फिर से अपना संयोजन तैयार करना पड़ता है। अगर हर मैच के बाद ऐसा होता रहा और कोई खिलाड़ी बाहर हो जाता है तो उससे टीम के प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ता है।''गिल की चिंता यह है कि अगर खिलाड़ी इसी तरह से कुछ मैच के बाद चोटिल होते रहे तो अगले साल अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप में उसकी परेशानी बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा, ''अगर हम विश्व कप को ध्यान में रखें तो हमें लगातार 11 मैच (फाइनल सहित) खेलने होंगे। यहां खिलाड़ी 2–3 मैचों की सीरीज भी पूरी नहीं खेल पा रहे हैं। इसलिए कहीं न कहीं यह बात समझ से परे है कि हमारे खिलाड़ी लगातार मैच क्यों नहीं खेल पा रहे हैं।''भारतीय कप्तान ने हालांकि किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया लेकिन वह इस बात से नाराज थे कि उनमें से कुछ खिलाड़ी मैच की सुबह खेलने के लिए अयोग्य पाए गए। उन्होंने कहा, ''वे एक या दो मैच खेलते हैं। अगर कोई छोटी–मोटी चोट या कुछ और हो जाता है तो हमें मजबूरन अलग संयोजन के साथ खेलना पड़ता है। इसलिए इन सब बातों को देखते हुए यह थोड़ा मुश्किल है कि सुबह लेकर अगर आपको पता चले कि इस खिलाड़ी को मामूली चोट है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आप जोखिम लेना चाहते हैं।''

इंजीनियरिंग कंपनी इंडो एमआईएम का आईपीओ 23 जुलाई को खुलेगा, कंपनी ने 461-485 रुपये का मूल्य दायरा तय किया

इंजीनियरिंग कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी इंडो एमआईएम लिमिटेड ने अपने 3,812 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 461–485 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। यह आईपीओ 23 जुलाई को निवेश के लिए खुलेगा और 30 जुलाई को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होगा।इंजीनियरिंग कलपुर्जे बनाने वाली प्रमुख कंपनी इंडो एमआईएम लिमिटेड ने अपने 3,812 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरे की घोषणा कर दी है। कंपनी ने प्रति शेयर 461 रुपये से 485 रुपये का भाव तय किया है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी का कुल मूल्यांकन करीब 24,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया गया है।बेंगलुरु मुख्यालय वाली इस कंपनी ने सोमवार को एक बयान में बताया कि उसका आईपीओ 23 जुलाई को सार्वजनिक तौर पर निवेश के लिए खुलेगा और निवेशक 27 जुलाई तक इसके लिए बोली लगा सकेंगे। हालांकि, बड़े यानी एंकर निवेशकों के लिए बोली लगाने की प्रक्रिया एक दिन पहले 22 जुलाई को ही शुरू हो जाएगी।इस आईपीओ की संरचना के बारे में कंपनी ने जानकारी दी है कि इसमें 500 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके साथ ही, मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 6.83 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी इस निर्गम का हिस्सा होगी।कंपनी इस नए निर्गम से प्राप्त होने वाली राशि में से 400 करोड़ रुपये का उपयोग अपने कुछ बकाया ऋणों के अग्रिम भुगतान या पुनर्भुगतान के लिए करने वाली है। इसके बाद जो शेष राशि बचेगी, उसे कंपनी के सामान्य कॉरपोरेट कार्यों के लिए इस्तेमाल में लाया जाएगा।शेयरों के बाजार में आने की समयसीमा भी निर्धारित कर दी गई है। इंडो एमआईएम के शेयर 30 जुलाई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध होंगे।

रोहित शर्मा का दमदार बयान संन्यास की अफवाहों पर हिटमैन ने दिया करारा जवाब

रोहित शर्मा ने अपने संन्यास की अटकलों को खारिज करते हुए साफ किया कि उनका लक्ष्य 2027 का वनडे वर्ल्ड कप जीतना है, जो उनके करियर का अधूरा मिशन है। लॉर्ड्स में ऐतिहासिक शतक लगाने के बाद उन्होंने कहा कि उनका पूरा ध्यान टीम की सफलता और देश के लिए खेलने पर है, बाहरी बातों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। रविवार को लॉर्ड्स में ऐतिहासिक शतक लगाने के बाद, पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने अपने इंटरनेशनल भविष्य को लेकर चल रही लगातार अफवाहों को साफ तौर पर खारिज कर दिया और अपने आलोचकों को कड़ा संदेश दिया। श्होम ऑफ क्रिकेटश (लॉर्ड्स) में वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बनने के बाद बात करते हुए, इस अनुभवी बल्लेबाज ने साफ कर दिया कि संन्यास लेने का उनका अभी कोई इरादा नहीं है। मैच के बाद ठब्ब् को दिए एक दमदार इंटरव्यू में, रोहित ने बाहर की बातों और अपने खेल पर फोकस करने के बीच साफ फर्क बताया। शर्मा ने साफ कहा कि मेरा काम बल्ले से खेलना है। मैदान पर उतरना और अपने देश का प्रतिनिधित्व करना। डेब्यू के समय से ही मुझे यही करने के लिए कहा गया है और मैं यही करता रहूंगा। जब से मैंने डेब्यू किया है, तब से ही ये बातें होती रही हैं। जब तक मैं खेलता रहूंगा, ये बातें होती रहेंगी। इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरे लिए अहम यह है कि मैं मैदान पर कैसा खेलता हूं। मैं टीम की कामयाबी में योगदान देना चाहता हूं। मेरा पूरा ध्यान बस इसी पर है।रोहित के करियर में एक काम अभी अधूरा है कृ जो अब सिर्फ 50–ओवर के फॉर्मेट तक ही सीमित है कृ और वह है साउथ अफ्रीका में 2027 का वर्ल्ड कप जीतना। यह एक ऐसा मिशन था जो 19 नवंबर, 2023 को अहमदाबाद में पूरा नहीं हो सका, जिससे तत्कालीन भारतीय कप्तान लगभग एक महीने तक गुमसुम हो गए थे। ज्20प् से शान से रिटायर होने और बिना किसी खास समारोह के टेस्ट क्रिकेट से हटने के बाद, रोहित ने अपना पूरा ध्यान एक ही फॉर्मेट पर लगा दिया है। उनकी यह कोशिश व्क्प् वर्ल्ड कप की ट्रॉफी को अपने हाथों में उठाने की जबरदस्त चाहत से प्रेरित है। 10 किलो वजन कम करना सिर्फ एक बदलाव नहीं था, बल्कि यह देश के लिए और कुछ समय तक खेलने की उनकी इच्छा को भी दिखाता है। भले ही इंटरनेशनल मैचों के बीच के लंबे गैप की वजह से शुरुआत में वे लय से बाहर लग सकते हैं, लेकिन एक बार जब वे अपनी लय पकड़ लेते हैं, तो वे सचमुच शहिटमैनश वाली अपनी पहचान को साबित कर देते हैं।

रोरिंग स्टार श्रीमुरली की धमाकेदार एंट्री, पराक टीजर ने पूरे देश में मचाई हलचल

रोरिंग स्टार श्रीमुरली की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म पराक का आधिकारिक टीजर रिलीज होते ही पूरे देश में जबरदस्त उत्साह पैदा कर गया। बघीरा के बाद यह उनकी अगली बड़ी फिल्म है, और टीजर ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। दर्शक फिल्म के भव्य स्तर, दमदार एक्शन और श्रीमुरली के शानदार बदलाव की जमकर सराहना कर रहे हैं। यह फिल्म पूरे भारत में रिलीज होने वाली है, जिससे श्रीमुरली का दमदार अंदाज हर दर्शक तक पहुंचेगा।

दक्षिण भारतीय सिनेमा के प्रमुख सितारों में गिने जाने वाले श्रीमुरली ने अपनी पहचान मेहनत, निरंतरता और प्रभावशाली अभिनय से बनाई है। उनकी सुपरहिट फिल्म उग्रम ने कन्नड़ एक्शन सिनेमा को नई दिशा दी और उन्हें इंडस्ट्री के भरोसेमंद एक्शन हीरो के रूप में स्थापित किया। मुफ्ती, भराटे और बघीरा जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और समर्पण को बार–बार साबित किया है।

पराक के टीजर में श्रीमुरली एक बिल्कुल नए और प्रभावशाली अवतार में नजर आ रहे हैं। दमदार फिटनेस, रफ लुक और गहरी स्क्रीन उपस्थिति के साथ वह पहले से कहीं अधिक सशक्त और आकर्षक दिख रहे हैं। उनका यह शारीरिक परिवर्तन और ऊर्जावान एक्शन य टीजर की सबसे बड़ी खासियत बन गए हैं, जिसकी दर्शक खुलकर सराहना कर रहे हैं।

निर्देशक हलेश कोगुंडी कहते हैं, बचपन से ही मुझे एक्शन फिल्मों का बहुत शौक रहा है। मैड मैक्स जैसी फिल्मों ने मुझे प्रेरित किया कि अगर मैं फिल्म निर्माता बनूं, तो एक्शन फिल्में ही बनाऊं। मेरे लिए एक्शन सिर्फ लड़ाई या दृश्य प्रदर्शन नहीं है, यह कहानी कहने का माध्यम भी है। मैं मानवीय भावनाओं, आंतरिक संघर्षों और अपने अनुभवों को दिखाना चाहता हूं। यह एक पात्र केंद्रित कहानी है, जहां हर एक्शन दृश्य पात्रों के निर्णय और उनकी भावनात्मक यात्रा से स्वाभाविक रूप से जुड़ा है।

यह फिल्म एक एक्शन सस्पेंस थ्रिलर है, जिसमें जबरदस्त एक्शन के साथ मजबूत किरदारों की कहानी भी देखने को मिलेगी। टीजर फिल्म की दुनिया की एक झलक पेश करता है, जिसमें शानदार दृश्य, रोमांच से भरपूर एक्शन और दिलचस्प कहानी की झलक मिलती है। हर फ्रेम फिल्म के बड़े स्तर को दर्शाता है, वहीं चरण राज एमआर का प्रभावशाली बैकग्राउंड म्यूजिक टीजर के

असर को और बढ़ाता है।हलेश कोगुंडी के निर्देशन में बनी यह फिल्म ब्रांड स्टूडियोज के बैनर तले अखिलेश कोगुंडी, आशिक मदल और दीपक अश्वथ नारायण द्वारा निर्मित है। फिल्म का संगीत चरण राज एमआर ने दिया है, सिनेमैटोग्राफी संदीप वल्लुरी ने की है, जबकि कहानी हलेश कोगुंडी और टीम ब्रांड स्टूडियोज ने मिलकर लिखी है।फिल्म के जबरदस्त एक्शन दृश्यों को प्रसिद्ध स्टंट निर्देशक डॉ. के. रविवर्मा ने तैयार किया है। फिल्म को लेकर उत्साह तब और बढ़ गया जब आनंद ऑडियो ने पराक के ऑडियो अधिकार हासिल किए। इसे हाल के समय में कन्नड़ फिल्मों के सबसे बड़े ऑडियो सौदों में से एक माना जा रहा है, जो फिल्म को लेकर बनी उम्मीदों को दर्शाता है।

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अभिनीत द इंडिया स्टोरी का दमदार और झकझोर देने वाला ट्रेलर रिलीज, 24 जुलाई को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

द इंडिया स्टोरीरू स्लो पॉइजन इन प्रोग्रेस का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो कीटनाशक आधारित खेती और उसके समाज पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों जैसे बेहद अहम मुद्दे को सामने लाता है। काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अभिनीत यह फिल्म एक रोमांचक कहानी के जरिए उन सच्चाइयों को उजागर करती है, जो करोड़ों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करती हैं। दमदार ड्रामा, प्रभावशाली अभिनय और सामाजिक संदेश से भरपूर यह ट्रेलर साहस, न्याय और संघर्ष की प्रेरणादायक कहानी की झलक पेश करता है। जी स्टूडियोज और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी और निर्माण सागर बी. शिंदे ने किया है। द इंडिया स्टोरी 24 जुलाई 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में दर्शकों के सामने आएगी।

फिल्म के निर्देशक चेतन डीके ने ट्रेलर के बारे में कहते हैं, द इंडिया स्टोरी सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक ऐसी बातचीत की शुरुआत है, जो आज बेहद जरूरी है। इस कहानी के माध्यम से हमने उस समस्या पर रोशनी डालने की कोशिश की है, जो चुपचाप हर घर को प्रभावित कर रही है। ट्रेलर सच्चाई, साहस और संघर्ष की इस ताकतवर यात्रा की एक झलक है। हमें उम्मीद है कि यह दर्शकों को सोचने, सवाल उठाने और अपने आसपास की हकीकत को समझने के लिए प्रेरित करेगा। इसके अलावा काजल अग्रवाल ने फिल्म को लेकर कहा, द इंडिया स्टोरी का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास और अर्थपूर्ण अनुभव रहा। मेरा किरदार हर मुश्किल के बावजूद सच का साथ देता है और यही इस फिल्म की सबसे बड़ी ताकत है। मुझे उम्मीद है कि ट्रेलर दर्शकों से जुड़ाव बनाएगा और उन्हें इस कहानी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित करेगा। इसी के साथ श्रेयस तलपड़े ने रिलीज हुए इस दमदार ट्रेलर के बारे में कहा, इस ट्रेलर में द इंडिया स्टोरी का भावनात्मक पक्ष पूरी मजबूती से सामने आता है। यह एक आम इंसान की असाधारण चुनौती के खिलाफ उम्मीद और हौसले के साथ लड़ी गई लड़ाई की कहानी है। मुझे विश्वास है कि दर्शक इसकी भावनाओं और संदेश से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करेंगे और 24 जुलाई को सिनेमाघरों में इस फिल्म का अनुभव लेने के लिए उत्साहित होंगे।

फिल्म के सह–निर्माताओं में स्वाति विनायक सैंदाने, अनीता जाधव, विनायक सैंदाने, कल्पेश शाह, देवयानी खोराटे और प्रेम जोशी शामिल हैं।

मुस्कुराती है तो खूबसूरत, वर्ना आग, वाराणसी से सामने आया प्रियंका चोपड़ा का नया लुकय राजामौली ने दिखाई झलक

वाराणसी एसएस राजामौली ने दिखाई प्रियंका चोपड़ा की धांसू झलकियां, मुस्कुराए तो सादगीय रूठे तो चिंगारी एसएस राजामौली की आगामी भव्य फिल्म वाराणसी को लेकर दर्शकों के बीच भारी उत्सुकता बनी हुई है। इसी बीच फिल्ममेकर ने ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा के जन्मदिन के खास मौके पर प्रशंसकों को एक बेहद शानदार और बड़ा सरप्राइज दिया है। राजामौली ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म से प्रियंका की नई तस्वीरें साझा की हैं, जिन्होंने इंटरनेट पर आते ही तहलका मचा दिया है और फैंस देसी गर्ल के इस नए अवतार को देख बेहद उत्साहित हैं।वाराणसी में प्रियंका के किरदार का नाम मंदाकिनी है, जिसकी नई झलकियां सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।फिल्म में उनके इस दमदार किरदार की तारीफ करते हुए राजामौली ने पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा है कि जब मंदाकिनी मुस्कुराती है तो उसके चेहरे पर एक अद्भुत सादगी और नजाकत नजर आती है, लेकिन जब वो नहीं मुस्कुरातीं तो उसकी खामोशी और आंखों में एक ऐसी आग दिखती है, जो किसी भी चुनौती को भस्म कर सकती है।इससे पहले राजामौली ने एक फर्स्ट–लुक पोस्टर जारी कर प्रियंका के किरदार से पर्दा उठाया था। अब उन्होंने 2 नई तस्वीरें साझा की हैं, जो इस आगामी महागाथा में उनके शक्तिशाली अवतार की एक गहरी झलक दिखाती हैं।पहली तस्वीर में प्रियंका एक गंभीर लुक में दिख रही हैं, जहां उनके घुंघराले बाल एक जूड़े में बंधे हैं, वहीं हैं।इस फिल्म के जरिए प्रियंका पूरे 8 साल बाद भारतीय सिनेमा

दूसरी तस्वीर में वो एक खूबसूरत पहाड़ी पृष्ठभूमि वाले खुले मैदान में मुस्कुराते हुए छलांग लगाती हुई दिखाई दे रही हैं।आरआरआर की वैश्विक सफलता के बाद राजामौली वाराणसी लेकर आ रहे हैं, जिसके हीरो महेश बाबू में वापसी कर रही हैं।फिल्म की कहानी मशहूर लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने लिखी है, जो पौराणिक कथाओं, भारतीय लोककथाओं और टाइम ट्रेवल जैसे साइंस–फिक्शन तत्वों का एक अनोखा मिश्रण है।

मैं जीते जी मरना नहीं चाहता, बंटवारा का दूसरा टीजर रिलीजय अब एक्शन अंदाज में दिखे सनी देओल

सनी देओल, प्रीति जिंटा और शबाना आजमी स्टारर फिल्म बंटवारा 1947 का दूसरा टीजर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। टीजर की शुरुआत कई इमोशनल सीन्स के साथ होती है, जहां आम लोगों के साथ मारपीट, आगजनी और अत्याचार देखने को मिलता है। शुरुआती सीन्स में प्रीति जिंटा, अली फजल और शबाना आजमी के किरदार नजर आते हैं, जो इन अत्याचारों से मायूस दिखाई देते हैं।

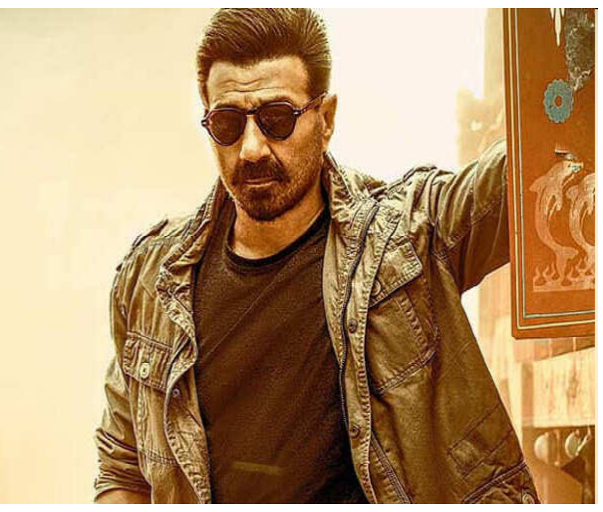

वहीं, अगले सीन में सनी देओल का दमदार डायलॉग सुनाई देता है, जो इस टीजर के इमोशन ही बदल देता है। सनी कहते हैं– श्डर रहा है इंसान, मर रहा है इंसान, और मैंज्जीते जी मरना नहीं चाहता। मैं जिंदा हूं और जिंदा होने का सबूत दूंगा।च इस डायलॉग के साथ सनी देओल दमदार एक्शन सीन्स करते नजर आते हैं। सनी देओल की यह फिल्म असगर वजाहत के मशहूर नाटक जिस लाहौर नई वेख्या, ओ जम्या ए नई पर बनी है, जो 1947 भारत–पाकिस्तान विभाजन के दर्द की कहानी दिखाती है। फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान ने दिया है, जावेद अख्तर ने गाने लिखे हैं। बंटवारा 1947 में सनी देओल ने सिकंदर मिर्जा का किरदार निभाया है। इस फिल्म में सनी के अलावा प्रीति जिंटा, शबाना आजमी, अली फजल, अभिमन्यु सिंह और करण देओल भी नजर आएंगे।

पल्लीचट्टम्बी की ओटीटी रिलीज डेट हुई कंफर्म, 24 जुलाई से सोनी लिव पर देख सकेंगे टोविनो थामस की ये फिल्म

मलयालम सिनेमा के जाने–माने एक्टर टोविनो थॉमस की फिल्म पल्लीचट्टम्बी 15 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस

पीरियड एक्शन–थ्रिलर फिल्म से मेकर्स को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन ये बॉक्स ऑफिस पर खास परफॉर्म नहीं कर पाई. वहीं फैंस इस फिल्म की ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फाइनली अब ये फिल्म ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है. चलिए यहां जानते हैं ये फिल्म किस डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कब और कहां रिलीज होगी.

पल्लीचट्टम्बी का प्रीमियर 24 जुलाई 2026 से ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर होने वाला है. स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर इसकी अनाउंसमेंट की है. डिजो जोस एंटनी के डायरेक्शन में बनी फिल्म पल्लीचट्टम्बी में कयाडु लोहर, विजय राघवन और जॉनी एंटनी जैसे एक्टर्स भी हैं. फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी कैमियो भूमिका में हैं.

1950 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित पल्लीचट्टम्बी की कहानी कृष्णा पिल्लई (टोविनो थॉमस) के इर्द–गिर्द घूमती है. बचपन में एक क्रूर हमले में अपना परिवार खोने के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाती है. इसके बाद एक पुजारी और कुछ स्थानीय परिवार उनका पालन–पोषण करते हैं. हालांकि, किस्मत उसे एक और बड़ा झटका देती है. इसके बाद कृष्णा पिल्लई अन्याय के खिलाफ लड़ने का फैसला करता है और अपने हक के लिए संघर्ष की राह पर निकल पड़ता है. सालों बाद कृष्णा पोथन क्रिस्टोफर के नाम से कानियार गांव पहुंचते हैं. अपने अच्छे स्वभाव, बहादुरी और लोगों की मदद करने की आदत की वजह से वो जल्द ही गांव वालों का भरोसा और सम्मान जीत लेते हैं. इसी दौरान उनकी मुलाकात रेबेका से होती है. दोनों धीरे–धीरे एक–दूसरे के करीब आते हैं. रेबेका का सपना है कि वो गांव में एक ऐसा स्कूल खोले, जहां हर बच्चे को पढ़ने का मौका मिल सके. फिल्म पल्लीचट्टम्बी की कहानी एस. सुरेश बाबू ने लिखी है. इसके गानों और बैकग्राउंड स्कोर का जिम्मा जेक्स बेजॉय ने संभाला है. वहीं, टीजो टॉमी ने सिनेमैटोग्राफी की है.

द ओडिसी के आने का भी धमाल 4 पर नहीं पड़ा असर, 8वें दिन जड़ दिया शतक, अब साल की टश्प 5 फिल्मों में करेगी एंट्री

अजय देवगन की एडवेंचर–कॉमेडी फिल्म धमाल 4 को दर्शकों ने खूब पसंद किया है. दरअसल बॉलीवुड की मोस्ट पॉपुलर फ्रैंचाइजी धमाल की चौथी इंस्टॉलमेंट होने के चलते इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी एक्साइटमेंट थी. हालांकि इसे रिलीज होने के बाद क्रिटिक्स और ऑडियंस से मिक्स्ड रिव्यू ही मिले थे लेकिन फिर भी ये फैमिली ऑडियंस को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही और इसी के साथ इसकी पहले हफ्से की कमाई भी धमाकेदार रही. अब ये रिलीज के दूसरे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है और इसे क्रिस्टोर नोलन की नई रिलीज श्द ओडिसीच का भी सामना करना पड़ रहा है. ऐसे में जानते हैं रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे फ्राइडे को धमाल 4 ने कितना कलेक्शन किया है?धमाल 4 की बॉक्स ऑफिस पर अब तक की परफॉर्मेंस काफी शानदार रही है. रिलीज के पहले दिन से ही ये बॉक्स ऑफिस पर जमकर नोट छाप रही है. हालांकि वीकडेज में इसका कलेक्शन भी गिरा लेकिन इसने बॉक्स ऑफिस पर अपन रफ्तार बनाए रखी और रिलीज के पहले हफ्ते में 96 करोड़ की कमाई कर डाली. फिल्म के 8वे दिन द ओडिसीच के आने से अजय देवगन स्टारर फिल्म की कमाई को झटका भी लगा है फिर भी इसने ठीक कलेक्शन किया है.बता दें कि सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक धमाल 4 ने रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे फ्राइडे को 5.35 करोड़ की कमाई की है.इसी के साथ इस फिल्म ने रिलीज के 8 दिनों में भारत में 101.35 करोड़ की नेट कमाई कर डाली है. धमाल 4 ने रिलीज के 8 दिनों में 100 करोड़ से ज्यादा कमाई कर ली है. वहीं अब ये फिल्म साल की टॉप 5 फिल्मों की लिस्ट में एंट्री करने वाली है. दरअसल ये कॉकेटल 2 के 104.33 करोड़ को मात देने से इंचभर दूर रह गई है. 3 करोड़ और कमाते ही ये फिल्म साल 2026 की 5वीं सबसे बड़ी फिल्म बन गई है. दूसरे शनिवार को फिल्म से उपलब्धि हर हाल में हासिल कर लेगी. इन सबके बीच देखने वाली बात होगी कि द ओडिसी के आने के बाद धमाल 4 दूसरे वीकेंड पर कितनी कमाई कर पाती है.।

इस हफ्ते ने ऐसा इक्का चलाया कि धमाल ही मच गया संजीदा शेख

अभिनेत्री संजीदा शेख इन दिनों अपनी फिल्म धमाल–4 और इक्का की रिलीज का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि अलग–अलग समय पर बनी फिल्में एक ही दिन रिलीज हो जाएंगी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने इस खास पल को अनोखा बताया। अभिनेत्री संजीदा शेख ने शब्दों से खेलते हुए लिखा, इस हफ्ते ने ऐसा इक्का चलाया कि धमाल ही मच गया। क्या शानदार और यादगार हफ्ता रहा। किस्मत भी कभी–कभी बहुत खूबसूरत तरीके से चीजों को जोड़ देती है। अलग–अलग समय पर शूट की गई धमाल 4 और इक्का एक ही दिन रिलीज होंगी, ऐसा मैंने कभी नहीं सोचा था। अभी भी इस एहसास को महसूस कर रही हूं। दर्शकों द्वारा मिले प्यार, खुशी और सम्मान के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। मैं अभी इस प्यार को पूरी तरह महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। आप सभी के प्यार और हौसला बढ़ाने के लिए दिल से धन्यवाद। आपका प्यार मुझे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है। शुक्रिया। फिल्म धमाल–4 में संजीदा शेख अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। फिल्म में वह अरशद वारसी (आदि) और जावेद जाफरी (मानव) की जोड़ी वाली तीसरी टोली का हिस्सा हैं, जहां वह भाभी (आदि की पत्नी) का किरदार निभा रही हैं।

इंद्र कुमार के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, अंजलि आनंद और ईशा गुप्ता जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।